दैनिक
बढ़ता राजस्थान
संस्करण:टोंक,जयपुर, अलवर एवं कोटा
• Since : 2004
/// कदम बढ़ाये, सच के साथ ///
वर्ष : 12 | अंक : 245 टोंक | शुक्रवार,16 मई, 2025 | ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष तृतीया संवत्-2082 |भारत सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | RNI NO. RAJHIN/2013/52026 | मूल्य : ₹ 4.00 | पृष्ठ : 08

जिला स्तरीय जनसुनवाई का हुआ आयोजन

हर परिवादी की शिकायत को गंभीरता से लें और उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें : डॉ. सौम्या झा

बढ़ता राजस्थान

टोंक,(का.स.)। जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने गुरुवार को भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में कहा कि अधिकारी हर परिवादी की शिकायत को गंभीरता से लें और उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। साथ ही, समस्याओं का स्थाई समाधान करें, ताकि परिवादी बार-बार अपनी समस्याओं को लेकर जनसुनवाई में नहीं आए। राज्य सरकार की मंशानुसार अधिकारी परिवादी की समस्याओं का समाधान कर उसे संतुष्ट करें। यदि परिवादी की समस्या का समाधान किया जाना संभव नहीं हो तो उसे लिखित में जवाब दिया जाए। जिला कलेक्टर ने जनसुनवाई में विभिन्न उपखंडों एवं ग्राम पंचायतों से आए परिवादियों की समस्याओं को सुना। साथ ही, जिला अधिकारियों एवं वीसी से जुड़े ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को समस्याओं का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी तहसीलदारों को निर्देश दिए कि रास्तों पर हो रहे अतिक्रमणों हटाया जाए। जिला कलेक्टर के समक्ष टोंक शहर के अर्जुन ने अतिक्रमण हटाने, पुरानी टोंक के हरभजन ने पानी की सप्लाई करने, भगवान ने जमादार को लगाने, घनश्याम ने नाले की सफाई करने, अजय ने सीवरेज पाइप लाइन डालने, सोहन ने वेतन दिलवाने, कमलेश सैनी एवं मोहम्मद लुकमान ने अतिक्रमण हटाने, बहीर के अख्तर मियां ने नाले का निर्माण करने, अंबिका कॉलोनी की खुशी ने स्कूटी दिलवाने की गुहार लगाई।

तहसील देवली के ग्राम पोल्याड़ा निवासी दुर्गालाल ने अतिक्रमण हटाने, तहसील टोंक के ग्राम हथौना निवासी नरेश ने रास्ता खुलवाने, ग्राम लांबाकला के छीतरलाल ने मुआवजा दिलाने, ग्राम चुली के मुकेश कुमार मीणा ने पट्टा दिलवाने, टोंक शहर कालीपलटन की अनीसा ने पेंशन दिलाने, रामस्वरूप शर्मा ने नाली को सही करवाने, मोहम्मद शकील ने ट्यूबवेल करवाने, ग्राम वजीरपुरा के नरेंद्र कोली ने अतिक्रमण हटाने, तहसील दूनी के आंवा निवासी बाबू ने पत्थरगढ़ी कराने, ग्राम धुवांखुर्द के लादूलाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने, ग्राम ढिकरिया के शंकर सिंह एवं स्यावता की काली देवी ने आम रास्ते से अतिक्रमण हटाने, तहसील निवाई के ग्राम रहड़ निवासी दिनेश पुजारी ने अतिक्रमण हटाने, तहसील उनियारा के ग्राम कैरोद निवासी सीताराम जाट ने अतिक्रमण हटाने, रूपवास के हरकरण ने पानी की समस्या दूर करने, तहसील पीपलू के रामकिशन ने अतिक्रमण हटाने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया। जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। साथ ही, कहा कि आपके कार्यालय में आने वाले परिवादियों की समस्याओं का संवेदनशीलता से समाधान करें। जनसुनवाई में एडीएम रामरतन सौकरिया, सीईओ परशुराम धानका, एसडीएम हुक्मीचंद रोहलानिया, डीएसपी राजेश विद्यार्थी, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. छोटू लाल बैरवा, तहसीलदार मानवेंद्र जायसवाल, सीएमएचओ शैलेंद्र चौधरी जलदाय विभाग के अधीक्षण राजेश गोयल समेत अन्य अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत लुहारा में रात्रि चौपाल आयोजित

जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करें- विनोद कुमार मीणा

बढ़ता राजस्थान

टोंक,(का.स.)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (मालपुरा) विनोद कुमार मीणा की अध्यक्षता में बुधवार को ग्राम पंचायत लुहारा में रात्रि चौपाल आयोजित की गई। रात्रि चौपाल में नरेगा कार्य स्वीकृत करने, शौचालय निर्माण, एनीकट बनवाने, बीसलपुर लाइन में कनेक्शन, विद्युत लाइन मरम्मत एवं छात्रवृत्ति से संबंधित समस्याएं सामने आई। एडीएम मीणा ने कहा कि अधिकारी जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करें।

रात्रि चौपाल में सुनारा के राजाराम जाट ने नरेगा में सार्वजनिक कार्य कराने, राजेश कुमार ने पीएचई पर बीसलपुर लाइन चालू करने, राजाराज जाट ने एनिकट बनवाने, ग्राम सुनारी के राधाकिशन ने पाइप लाइन की सब्सिडी दिलाने, ग्राम शोभागपुर की अनोख देवी ने छात्रवृत्ति दिलाने, ग्राम प्रतापपुरा के विद्यालय में शौचालय निर्माण कराने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया। इसी तरह श्योजी मीणा ने नरेगा कार्य स्वीकृत करने, रामस्वरूप मीणा ने सड़क को राजस्व रिकार्ड में दर्ज करने एवं कल्याण मीणा ने नवीन उपस्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण करने के बारे में अवगत कराया। रात्रि चौपाल में एडीएम मीणा ने ग्रामीणों को उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण करवाएं जाने का आश्वासन दिया। रात्रि चौपाल के दौरान कार्यवाहक उपखंड अधिकारी अनीता खटीक, ब्लॉक वेटनरी हैल्थ आफिसर डॉ. लक्ष्मण सिंह बागोतिया, विकास अधिकारी राजेश्वरी यादव, कृषि विभाग के सहायक निदेशक रामनिवास जाट, पशु चिकित्सक डॉ. भगत सिंह, कृषि पर्यवेक्षक कन्हैया लाल, सार्वजनिक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता महेंद्र कुमार मीणा, आयुष चिकित्सक डॉ. अशोक कुमार बैरवा, महिला एवं बाल विकास विभाग की नाहिद खान समेत समस्त ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

रात 10 बजे बरौनी पुलिस थाने में मची भगदड़

महिला हवालात में जा घुसा कोबरा सांप, गार्ड की सतर्कता से टली अनहोनी

बढ़ता राजस्थान

टोंक (का.स.)। रात 10बजे बाद जब किसी पुलिस थाने में मौजूद हवालात में कोई बंदी हो और उसकी सुरक्षा के लिये गार्ड भी तैनात हो लेकिन दोनों की मौजूदगी में कोई कोबरा सांप रैंगता हुआ हवालात तक जा पहुंचे तो वहां मौजूद गार्ड व बंदी का क्या हाल हुआ होगा इसका अंदाज़ा आप खुद लगा सकते हैं। जी हां यह सब हुआ बीती रात टोंक जिले के टोंक-जयपुर एनएच-52स्थित बरौनी पुलिस थाने में जहां रात लगभग 10बजे जब अधिकांश पुलिसकर्मी सुस्ता रहे थे या फिर नाकेबंदी व गश्त में व्यस्त थे उसी समय बाहर से रैंगता हुए आये कोबरा सांप ने पहले पुरूष हवालात के बाहर आकर अपनी कुंडली मार दी.यह दृश्य देख रहे वहां मौजूद गार्ड व पुरूष हवालात में मौजूद बंदी दोनों की हालत सांसें फूल गयीं.हांलांकि कुछ ही देर में कोबरा सांप पास ही मौजूद महिला हवालात में जा घुसा और वहां मौजूद बिस्तरों के ढेर में जा छिपा.इधर गार्ड ने भी तुरंत समझदारी दिखाते हुए बंदी को पुरूष हवालात से निकाल दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया.इस घटना को लेकर घबराये पुलिसकर्मियों नें तुरंत इस मामले की जानकारी एसएचओ ब्रिजेंद्र सिंह को दी गयी जिसके बाद उनके द्वारा जिला मुख्यालय से वन्यजीव प्रेमी मनोज तिवारी को बुलवाया गया।

पुलिसकर्मी लाठी ले करते रहे पहरेदारी : कोबरा सांप कहीं महिला हवालात से निकल किसी ओर कक्ष में ना घुस जाये इसे लेकर कई पुलिसकर्मी लाठी लेकर वहां रखवाली करते रहे। ग़ौरतलब है कि पास ही माल खाना,रिकॉर्ड रूम,कंप्युटर कक्ष व एसएचओ कक्ष के स्थित होने के चलते पुलिसकर्मी कोबरा सांप पर पूरी निगरानी रखे रहें।

10मिनिट में ही कोबरा को सर्च कर किया गया बैग में क़ैद : टोंक से पहुंचे वन्यजीव प्रेमा मनोज तिवारी ने 10मिनिट से भी कम समय में महिला हवालात में मौजूद बिस्तरों में छिपे कोबरा सांप को अपने बैग में क़ैद कर लिया.रेसक्यु के दौरान कोबरा सांप पूरी तरह से आक्रामक नज़र आया.कोबरा सांप को पकड़े जाने के बाद वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने राहत की सांस ली।

हो सकती थी अनहोनी : थानाधिकारी ब्रिजेंद्र सिंह ने बताया कि अगर रात्री कालीन ड्यूटी पर तैनात गार्ड सतर्क नहीं होता तो कोई अनहोनी हो सकती थी।

जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित

मानवीय दृष्टिकोण रखकर करें प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण : शुभम

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान हेतु गुरुवार को जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं सतर्कता समिति की बैठक कलेक्ट्रेट परिसर स्थित भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र के वीसी कक्ष में आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने जनसुनवाई में परिवादियों द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र एवं राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की विस्तृत समीक्षा के साथ-साथ त्रिस्तरीय जनसुनवाई के लम्बित प्रकरणों की समीक्षा भी की। उन्होंने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर लंबित परिवादों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने, असंतुष्ट परिवादियों से दूरभाष पर वार्ता कर उनके संतुष्टिपूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रदान किए।

जनसुनवाई में आए 86 प्रकरण : जनसुनवाई में विरासत का नामांतकरण खुलवाने, सीमाज्ञान करवाने, पटवारी हल्का शेरपुर एवं गिरदावर खिलचीपुर द्वारा न्यायालय के आदेशों की पालना करवाने, सड़क, सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटवाने, नगर विकास न्यास की भूमि से अतिक्रमण हटवाने, सीमाज्ञान करवाकर पत्थरगढ़ी करवाने, नामांतरण खुलवाने, सीसी रोड़ बनवाने, ई-मित्र कियोस्क का शुल्क जमा करवाने, अधिक जमा उपकर राशि लौटाने, विद्युत कनेक्शन से नाम हटवाने, पेंशन स्वीकृत करवाने, खेत को जबरन जोतने की धमकी देने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करवाने, हम्मीर ब्रिज विस्तार योजना में अवास मकान का मुआवजा दिलवाने, नियमित व सुचारू विद्युत आपूर्ति करवाने, बिजली के पोल का सीधा खड़ा करवाने, गौशाला का सीमाज्ञान करवाने, गैस सब्सिडी दिलवाने, विकलांग पेंशन योजना का लाभ दिलवाने सहित कुल 86 प्रकरण प्राप्त हुए। जिला कलक्टर ने सभी प्रकरणों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को पारदर्शिता और मानवीय दृष्टिकोण अपनाकर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी प्रकरण अगली जनसुनवाई में पुन: प्रस्तुत नहीं हो, इसके लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने सुनारी, चौथ का बरवाड़ा एवं दुब्बी बनास में हो रहे अतिक्रमणों की जांच कर अतिक्रमियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने एवं अतिक्रमियों को पाबंद करने निर्देश संबंधित तहसीलदार को दिए।

इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुड़ानिया, अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार कस्वा, एसडीएम अनूप सिंह, सहायक कलक्टर रूबी अंसार, सीएमएचओ डॉ. अनिल कुमार जैमिनी, जिला परिवहन अधिकारी पीआर मीना, एलडीएम प्रदीप कुमार, अधीक्षण अभियंता जलदाय विभाग भगवान सहाय मीणा, उप निदेशक उद्यान डॉ. हेमराज मीणा, मण्डी सचिव दिलीप कुमार मीना सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी एवं वीसी के माध्यम से उपखण्ड स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

रणथंभौर की सुरक्षा दीवार पर चढ़ गया , भालू, लोग वीडियो बनाते रहे, यूजर्स बोले- फिर भालू को दोष देंगे

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। रणथंभौर टाइगर रिजर्व एक बार फिर चर्चा में है। इस बार वजह कोई बाघ नहीं, बल्कि एक भालू है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक भालू पार्क की सुरक्षा दीवार पर चढ़ता नजर आ रहा है। शुरुआत में लगता है कि भालू दीवार फांदकर बाहर आ जाएगा।

लेकिन हैरानी की बात यह होती है कि भालू को दीवार पर चढ़ता देखकर भी लोग वहां से भागते नहीं है बल्कि ऐसे खड़े होकर वीडियो बनाने लगते हैं जैसे कि वह छुष्टक्की खुदाई देख रहे हों। इसी को लेकर बहुत से यूजर्स ने प्रतिक्रिया दी है और कहा कि फिर भालू को दोष देंगे.. या बाहर आ गया तो भागते फिरेंगे।

पहले दीवार पर चढ़ा फिर लौट गया : 12 सेकंड की इस क्लिप में भालू जंगल से सटी एक सुरक्षा दीवार पर चढ़ने की कोशिश करता है। वह पहले बाहर खड़े लोगों को देखता है, फिर दीवार पर चढ़ता है। इस दौरान कोई डर का माहौल नहीं दिखता, लोग उसकी ओर बढ़ते हैं और कैमरा निकालकर शूट करने लगते हैं। अंत में भालू खुद ही दीवार से उतरकर वापस जंगल की ओर लौट जाता है। गौरतलब है कि रणथंभौर में इससे पहले भी एक दुर्लभ दृश्य कैमरे में कैद हुआ था, जब टाइगर रिजर्व के जोन नंबर दो (झालरा वन क्षेत्र) में बाघ का एक शावक और भालू आमने-सामने आ गए थे।

बुकिंग एजेंट उड़ा ले जाते थे यात्रियों के हक का आपातकालीन कोटा

अब सिर्फ जरूरतमंदों को मिलेगा ट्रेन में कंफर्म टिकट, दुरुपयोग रोकने के लिए अब हर स्तर पर निगरानी और पारदर्शिता बढ़ाई जाएगी

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर/ नई दिल्ली(राकेश शर्मा)। अगर आप ट्रेन टिकट के लिए किसी ट्रैवल एजेंट से कहकर इमरजेंसी कोटे में सीट बुक करवाने की सोच रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। रेलवे मंत्रालय ने सभी 17 जोनल रेलवे अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि अब ट्रैवल एजेंट्स की ओर से आने वाले किसी भी रिक्वेस्ट को स्वीकार न किया जाए! रेल मंत्रालय ने यह कदम इमरजेंसी कोटे के दुरुपयोग की लगातार मिल रही शिकायतों को देखते हुए उठाया है। यह कहा रेलवे मंत्रालय ने रेलवे की ओर से सभी प्रिंसिपल चीफ कमर्शियल मैनेजर्स को भेजे गए पत्र में कहा गया है, ट्रैवल एजेंट्स द्वारा आपातकालीन कोटे से सीट आरक्षित करवाने की कोशिशों की कई शिकायतें मिली हैं। यह पूरी तरह से नियमों के खिलाफ है।

इमरजेंसी कोटा- इन नियमों का पालन ज़रूरी

रेल मंत्रालय ने पहले से मौजूद 2011 की गाइडलाइन को फिर से सख्ती से लागू करने की बात कही है और अफसरों को निर्देश दिए हैं कि ट्रैवल एजेंट्स की रिक्वेस्ट स्वीकार न की जाए. हर रिक्वेस्ट गज़टेड ऑफिसर के हस्ताक्षर के साथ होनी चाहिए। रिक्वेस्ट पर हस्ताक्षरकर्ता का नाम, पदनाम, फोन नंबर और यात्री का मोबाइल नंबर अनिवार्य होगा। हर विभाग को एक रजिस्टर में विवरण दर्ज करना होगा, जिसमें यात्रा की पूरी जानकारी और रिक्वेस्ट भेजने वाले स्रोत की जानकारी हो. हर रिक्वेस्ट पर डायरी नंबर भी लिखा जाएगा, जो रजिस्टर में दर्ज होगा।

जांच और निगरानी के कड़े निर्देश

रेलवे ने सभी अधिकारियों को पीआरएस केंद्रों का समय-समय पर निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए हैं, जिससे टाउट्स (दलालों) और कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत पर रोक लगाई जा सके।

तिरंगा यात्रा को लेकर बैठक आयोजित

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी मालपुरा विधानसभा के मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री की एक संयुक्त मीटिंग संजय मार्केट भाजपा कार्यालय पर विधानसभा तिरंगा यात्रा संयोजक संत कुमार जैन टोडा एवं सह संयोजक त्रिलोक चंद जैन की उपस्थिति में आयोजित हुई इस मीटिंग में आगामी 20मई को जिला टोंक पर एवं आगामी 25मई को मालपुरा टोडा विधानसभा की तिरंगा यात्रा को लेकर जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर लावा मंडल अध्यक्ष इंदर पाल चौधरी,पचेवर मंडल अध्यक्ष धर्मवीर जांगिड़,मालपुरा मंडल अध्यक्ष जिनेंद्र महेंदवस्या लांबाहरीसिंह महामंत्री जगदीश चौधरी सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

सरकारी खरीद में सुधार के करने होंगे प्रयास

भारत हर वर्ष तकरीबन 60 लाख करोड़ रुपये मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं की खरीद करता है जो उसके सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी का लगभग 15-20 फीसदी होता है। सरकारी खरीद कैसे की जाती है यह सार्वजनिक वित्त की केंद्रीय चिंता होनी चाहिए। इसके बावजूद अक्सर देश में सरकारी खरीद के अनुबंधों को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाता है और माना जाता है कि यह औद्योगिक नीति या संरक्षणवाद को ध्यान में रखकर किए जाते हैं। अब वक्त आ गया है कि हम थोड़ा ठहरें और सोचें। सरकारी खरीद के मूल में व्यय की किफायत है। राज्य करदाताओं के एजेंट की भूमिका में रहता है और यह उसका कर्तव्य है कि वह हर खर्च होने वाले रुपये का किफायत से इस्तेमाल करे। फिर चाहे मामला अधोसंरचना परियोजनाओं के लिए स्टील खरीदने की हो, स्कूलों के लिए कंप्यूटर या सरकारी अस्पतालों के लिए दवा खरीदने की, केवल एक ही लक्ष्य को आगे बढ़ाया जाना चाहिए: न्यूनतम संभव मूल्य पर खास गुणवत्ता की आपूर्ति करना वह भी एक तय समय में। संरक्षणवादी भावना से बचना चाहिए जहां विक्रेता को लाभ पहुंचाया जाता है और आम नागरिक नुकसान में रहते हैं। एक मजबूत, पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बाजार ही सरकारी अनुबंधों के लिए सही तरीका है। हम अपने घर के लिए खरीदारी करते समय भी पूरी सावधानी बरतते हैं। सार्वजनिक खरीद के लिए सरकारी फंड का इस्तेमाल करने का सिद्धांत भी अलग नहीं होना चाहिए, बस उसके प्रभाव में वृद्धि होनी चाहिए।

देश में सरकारी अनुबंधों की हकीकत इस आदर्श को नहीं निभा पाती। जैसा कि एक्सकेडीआर फोरम के शोध ने दर्शाया, हमारी सरकारी खरीद प्रक्रिया खामियों से भरी हुई है। वास्तविक प्रतिस्पर्धा की कमी है। निविदाओं में अक्सर गिनेचुने लोग बोली लगाते हैं। कई बार तो केवल एक कारोबारी बोली लगाता है। अक्सर आपूर्ति में देरी होती है और लागत बढ़ती है। सरकारी अनुबंध की व्यवस्था को अक्सर जटिल, अस्पष्ट और अनिश्चित माना जाता है। इसमें भुगतान और विवाद समाधान की दिक्कतें भी शामिल हैं। जब प्रतिस्पर्धा कमजोर होती है तो कीमतें बढ़ती हैं। अगर सरकारी खरीद में सुधार से कीमतों में 10 फीसदी की भी कमी आती है तो इससे बिना एक रुपये का अतिरिक्त शुल्क लागू किए भी सरकारी अनुबंधों में 10 फीसदी की बढ़त हो जाती है। इसलिए सरकारी वित्त की प्राथमिक रणनीति में सरकारी अनुबंध की प्रणाली सुधारने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इससे अच्छी खासी राजकोषीय गुंजाइश तैयार होगी। कम प्रतिस्पर्धा वाले माहौल में थोड़ा योगदान इस बात का भी है कि हम ऐतिहासिक रूप से सरकारी खरीद को विदेशी कंपनियों के लिए खोलने से बचते रहे हैं। विकसित देशों के उलट भारत ने विश्व व्यापार संगठन के सरकारी खरीद समझौते यानी जीपीए पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। 2017 के सरकारी खरीद ऑर्डर में संरक्षणवाद को महसूस किया जा सकता है जो कहता है कि स्थानीय सामग्री के आधार वाले घरेलू विनिर्माताओं को प्राथमिकता प्रदान की जानी चाहिए। यहां तक कि जब वैश्विक निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं तब भी अक्सर स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को प्राथमिकता दी जाती है बशर्ते कि उनकी बोली सबसे कम रकम वाली विदेशी बोली से एक खास मार्जिन के भीतर हो। यह बात विदेशी कंपनियों को भारत में बिक्री करने से रोकती है। भारतीय कंपनियों का पक्ष लेने का यह रुख जहां भारतीय नागरिकों को नुकसान पहुंचाता है वहीं संरक्षणवाद के विचार जैसे ही यह घरेलू कंपनियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करने से भी बचाता है। यह नवाचार, गुणवत्ता सुधार और प्रतिस्पर्धी मूल्य हासिल करने के लिए प्रोत्साहन को सीमित करता है। आखिरकार इसकी कीमत करदाताओं को चुकानी पड़ती है। या तो वे उच्च कीमतों के रूप में इसका खमियाजा उठाते हैं या फिर वस्तुओं और सेवाओं की देर से आपूर्ति के रूप में।

आज का इतिहास - बढ़ता राजस्थान

16 मई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- हॉलीवुड में पहले एकेडमी अवॉर्ड 1929 में दिए गए।
- रोजर फ़ेडेरर ने हेम्बर्ग मास्टर्स ख़िताब 2004 में जीता।
- हालीवुड की चर्चित अदाकारा आस्कर पुरस्कार के लिए नामित नाओमी वाट्स को संयुक्त राष्ट्र संस्था का राजदूत बनाया गया। न्यूजीलैंड के 47 वर्षीय मार्क इंजलिस ऐसे पहले पर्वतारोही बन गये, जिन्होंने कृत्रिम पैरों के सहारे एवरेस्ट की चोटी पर 2006 में झण्डा फहराया।
- निकोलस सरकोजी का राष्ट्रपति के तौर पर कार्यकाल 16 मई को ही 2007 में शुरू हुआ।
- उच्चतम न्यायालय ने केन्द्रीय शिक्षण संस्थानों के स्नाकोत्तर पाठ्यक्रमों में 27% ओबीसी कोटा पर रोक के कोलकाता उच्च न्यायालय के निर्णय को 2008 में ख़ारिज कर दिया।
- प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भूटान की दो दिवसीय यात्रा पर थिम्पु 2008 में पहुँचे।
- अजलन शाह कप हॉकी प्रतियोगिता में पीटीआई पिछले विजेता भारत और दक्षिण कोरिया को बारिश केराण मैच न होसकने पर संयुक्त विजेता 2010 में घोषित किया गया।
- वेस्टींडीज में आयोजित 20-20 विश्व कप के निर्णायक मैच में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया के 147 रनों के लक्ष्य को तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया और पहली बार विश्व विजेता 2010 में बना।
- पूर्वी सूरीनाम में गोडो ओलो हवाई अड्डे से उड़ान भरते ही 2010 में एंटोनोव एएन-28 विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से छह यात्रियों और चालक दल के दो सदस्यों की मृत्यु हो गई।
- अमेरिकी वैज्ञानिकों को पहली बार क्लोन किए गए इंसानी भ्रूण से स्टेम सेल यानी मूल कोशिका निकालने में 2013 को सफलता मिली।
- भारत के एक बड़े बिजनेसमैन रुस्तमजी होमसजी मोदी का निधन आज ही के दिन हुआ था।
- रुस्तमजी मोदी टाटा समूह के सदस्य और टाटा इस्पात के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक 2014 में थे।
- नैरौबी में एक धमाका हुआ जिसमें करीब 12 लोगों की मौत 2014 में हो गई।

16 मई को जन्मे व्यक्ति

- आर.एन.माधोलकर का जन्म 1857 में हुआ वो भारतीय राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने एक अवधि तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
- भारतीय राजनेता व विद्वान, पूर्व विदेश मंत्री, भारत सरकार नटवर सिंह का जन्म 1931 में हुआ।
- प्रसिद्ध साहित्यकार गुलशेर ख़ाँ शानी का जन्म 1933 में हुआ।

16 मई को हुए निधन

- उड़िया भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार तथा भाषाविद गोपाल चंद्र प्रहराज का निधन 1945 में हुआ।
- भारत के प्रसिद्ध उद्योगपति तथा टाटा समूह के शीर्ष सदस्यरूसी मोदी का निधन 2014 में हुआ।

विशेष आलेख

अरुणाचली चाल है पाक के हक में चीन की बौखलाहट

निश्चित ही चीन की ये दकियानूसी हरकतें पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, यह उसके दुस्साहस एवं उच्छृंखलता का द्योतक है। नाम बदलने से इस स्पष्ट और निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदला जा सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इस तरह की करतूतों, बचकानी एवं बेतुकी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की भी कोशिश करता रहा है।

- ललित गर्ग

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद चीन बौखला गया है। पाकिस्तान की करारी हार एवं उसे दिये गये सबक को चीन पचा नहीं पा रहा है। चीन-पाक की सदाबहार दोस्ती के उदाहरण बार-बार सामने आते रहे हैं, हाल ही में सैन्य टकराव के दौरान चीन ने प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि सैन्य व आर्थिक मदद भी की। ऐसे ही संवेदनशील समय पर चीन ने भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने एवं अरुणाचल के 27 स्थानों को चीनी नाम देने की कुचेष्टा की है। उसकी यह नापाक कोशिश भी पाक के साथ खड़े होने का ही प्रयास है। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल एवं उसके अनेक क्षेत्रों, इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं, इनको पहले ही चीनी नाम दे चुका है। भारत सरकार ने अरुणाचल के भीतरी स्थानों को नए नाम देने के चीन के निराधार और बेतुके प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसकी निन्दा की है। चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है। हालांकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि ताजा घटनाक्रम से भारत दबाव में आ जाएगा लेकिन भारत अब ऐसे किसी दबाव में न तो आयेगा, बल्कि इनका सक्षम एवं तीक्ष्ण तरीके से जबाव देने में भारत सक्षम है। चीन का अधिक बौखलाहट एवं खीज का बड़ा कारण भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल आदि की इस कदर पोल खोल कर रख दी कि अब उसके लिए दुनिया के निर्धन देशों को अपने दोयम दर्जे एवं घटिया किस्म के चीनी हथियार बेचना कठिन होगा। पाकिस्तान ने जिस चीनी मिसाइल का इस्तेमाल किया था, उसे भारत ने नाकाम कर दिया। चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता है। चीन भरोसे लायक देश नहीं है, चीन के प्रति कठोर रवैया जरूरी है। निस्संदेह नाम बदलने जैसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग, सावधान व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। भारत को चीन के साथ अपनी तिब्बत नीति पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। पिछले तीसरे साल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के अनेक स्थानों के नाम बदले हैं। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। जिसमें उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। चीन की विस्तारवादी नीति भारत सहित सम्पूर्ण एशिया के लिये ही नहीं, पूरे विश्व के लिए बड़ा खतरा है। चीन भारत की बढ़ती ताकत एवं रूतबे से परेशान है। भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए विवादास्पद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है। अरुणाचल प्रदेश ही नहीं, अक्साई चिन, ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर पर भी चीन अपना दावा जताता रहा है।

शातिर और चालबाज चीन अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम स्वीकार नहीं करता। कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह, सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है। भारत को अनेक मोर्चों पर चीन को आडे हाथ लेना होगा, सबसे जरूरी है चीन सामान का बहिष्कार, इस पर सरकार के साथ हमारे उद्योग जगत एवं आम जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा। ऐसा करके ही चीन की कमर को तोड़ा जा सकता है, आज दुनिया के अनेक देश चीनी सामान का बहिष्कार कर रहे हैं, हमें भी कठोर कदम उठाने होंगे। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है।

वैश्विक पहचान से सांगरी के लिए बढ़ा अंतरराष्ट्रीय बाजार

मई का पहला सप्ताह राजस्थान के लिए खासा महत्त्वपूर्ण रहा। इस सप्ताह राजस्थान की प्रतीक, और पहचान 'सांगरी' को वैश्विक प्रतिष्ठा मिली। सांगरी मरुस्थलीय इलाके का प्रमुख खाद्य व्यंजन है। इस महीने सांगरी को भौगोलिक संकेतक टैग (जीआई टैग) मिला जिससे अब इसके लिए अब अंतरराष्ट्रीय बाज़ार मिलने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। यह राजस्थान के खाद्य व्यापारियों के लिए ही नहीं, बल्कि सीधे किसानों के लिए भी शुभ संकेत है। सांगरी के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार के द्वार खुलने से राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा।

- हरीश शिवनानी

सांगरी राजस्थान के राज्य वृक्ष खेजड़ी का एक उत्पाद है। राजस्थान के खान-पान में केर-सांगरी का अचार या सब्जी के अलावा इनके साथ कुमटिया, गुंदा और अमचूर मिला कर बनाई जाने वाली 'पंचकूटा' की सब्ज़ी मरुधरा की विशिष्ट पहचान है। इसकी महत्ता का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बाज़ार में इसका भाव बारह सौ से लेकर डेढ़ हज़ार रुपए है। केर-सांगरी और पंचकूटा वस्तुत: 'छप्पनिया काळ' की देन है, जो 1899 ईस्वी और विक्रम संवत के हिसाब से 1956 में पड़ा था। छप्पनिया अकाल को द ग्रेट इंडियन फेमिन 1899 के नाम से भी जाना जाता है। इस अकाल में लाखों लोगों की जान गई थी। भयंकर आपदा के इस दौर में लोगों के पास खाने के नाम कुछ भी न बचा था। इस अकाल को लेकर कहा जाता है कि ये दौर ऐसा था कि लोगों के लिए न तो खाने के लिए कुछ था और न पीने के लिए, लेकिन इस भीषण सूखे में रेगिस्तानी इलाकों में खेजड़ी (जिन पर सांगरी की फली होती है) और केर नहीं सूखे। जब लोगों और पशुओं के लिए भी खाने को कुछ नहीं बचा तो केर और सांगरी की फली लोगों को खूब काम आई। कहा जाता है कि खेजड़ी की छाल और फली तक लोग कच्ची खाकर गुजारा करने लगे। केर एक केपर जैसा रेगिस्तानी फल है, जो कांटेदार झाड़ी पर उगने वाला एक बेरी है। इसका स्वाद तीखा होता है, जिससे इसका अचार काफ़ी चटपटा बनता है। दूसरी ओर, सांगरी खेजड़ी के पेड़ की फलियों जैसी होती है। बबूल फली बबूल या बबूल के पेड़ के चपटे बीज होते हैं। इसी केर-सांगरी और पंचकूटा सब्ज़ी का महत्व वर्तमान में ऐसा है कि राजस्थान से जुड़ा कोई भी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय आयोजन-समारोह हो, इनके बिना मेनू पूरा हो ही नहीं सकता। फाइव स्टार होटलों में 'बीन्स एंड बेरीज़ वेजिटेबल' के नाम से यह बेहद महंगे दाम पर मिलती है। अब, जब इसे जीआई टैग मिल चुका है तो विश्व बाज़ार में आर्थिक रूप से इसकी संभावनाएं काफ़ी बढ़ गई हैं। राजस्थान में सांगरी कुल कारोबार सालाना मोटे तौर दो सौ करोड़ रुपए से ज़्यादा का है। अब इसमें बढ़ोत्तरी होने की पूरी संभावना है क्योंकि विश्व व्यापार संगठन के मानदंडों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में सांगरी को अब 'प्रीमियम प्राइस' भी मिलेगा। वस्तुत: जीआई टैग कृषि, प्राकृतिक या निर्मित उन वस्तुओं को दिया जाता है जो एक ख़ास क्षेत्र में उत्पादित होते हैं। इसमें क्षेत्र की विशेष गुणवत्ता या प्रतिष्ठा या अन्य विशेषताएं शामिल होती हैं। राजस्थान में इसका करोबार उत्पाद संगठित और असंगठित क्षेत्रों में किया जाता है, वो भी राजस्थान के अलग-अलग क्षेत्रों में। बड़े व्यापारियों से लेकर छोटे किसान भी इसमें शामिल हैं। यह काफ़ी महँगे दामों पर बिकने वाला उत्पाद है। इसमें क्षेत्र की विशेष गुणवत्ता या प्रतिष्ठा या अन्य विशेषताएं शामिल होती हैं। यह टैग वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा जारी किया जाता है। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) ने कोलायत के गोविंदसर

शख़्सियत - बढ़ता राजस्थान

राम बिहारी कौशिक
(डायरेक्टर श्री सिद्धपुरम हेरिटेज होटल)

नमस्कार साथियों हमारे आज की शख़्सियत कॉलम के स्टार हैं राम बिहारी कौशिक जिन्होंने अलवर में पर्यटन और हेरिटेज संरक्षण में अपना अमूल्य योगदान देकर आज अलवर को पर्यटन के उच्च स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया। राम बिहारी कौशिक अलवर जिले के रहने वाले हैं और ग्रामीण क्षेत्र में होने के बावजूद अलवर में पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का बहुत महत्वपूर्ण योगदान इन्होंने दिया है। पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद एमबीए किया और 18 वर्ष तक नीमराना ग्रुप के रीजनल मैनेजर रहे जिसमे कि सफलतापूर्वक नीमराना फोर्ट, तिजारा फोर्ट और केसरोली फोर्ट का जीर्णोद्धार करवा कर अलवर जिले में पर्यटन के द्वार खोलने का विशेष कार्य किया। इसके बाद इन्होंने 2007 में ग्राम डढीकर में प्राचीन किले के भग्नावेश खरीद कर उसको परंपरागत पद्धति से जीर्णोद्धार कराकर सफलतापूर्वक हेरिटेज होटल में परिवर्तित किया। इन्होंने अपने जीवन में आई अनेक बाधाओं,संकटों और शारीरिक संघर्षों को पार करते हुए अलवर में ही राम बिहारी पैलेस हैरीटेज होटल का निर्माण कराया। सही मायने में अलवर में हेरिटेज कंजर्वेशन और पर्यटन उद्योग में इनका विशेष योगदान और सराहनीय भूमिका रही है। इन्होंने अब न केवल अलवर अपितु राजस्थान में भी अलवर के गौरव को बढ़ाया है। आज उदयपुर के कुंभलगढ़ में श्री सिद्धपुरम के नाम से हेरिटेज होटल बनाया है। अब राम बिहारी जी हेरिटेज कंजर्वेशन वह हॉस्पिटलिटी में अलवर का नाम ने केवल राजस्थान बल्कि गुजरात हरियाणा और उत्तर प्रदेश में रोशन कर रहे हैं। अपने मुस्कुराते हुए चेहरे के साथ,ऊर्जा के साथ और अपनी मिलन सरिता के साथ एक अलग व्यक्तित्व और एक अलग पहचान बनाए हुए हैं। दैनिक बढ़ता राजस्थान की टीम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

रूपक शर्मा

2025_014 a - बढ़ता राजस्थान

Suduko

	5			2	4	8	7	
8	3		1	5		4	2	9
9		4		8		5	1	6
				1	8			7
7	9				5	3	8	1
1	8			7	9		4	5
4		8		3	1			
5	1			6		7	3	8
2		3	8	9			5	4

Ans_2025_013

				3		7		5
1	2	5			4	3		
	8			1		9		4
7	3		1	9	5		8	6
5	9	4	8		7	2		1
6	1				3	5	7	
		1		8				
2	5	6	3	4		8	9	
				5	9			

कैसे खेलें

वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारस्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें सताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष

स्वभाव में उग्रता हो सकती है, इसलिए वाणी पर संयम रखें। दोपहर के बाद आप आप मनोरंजन की ओर ज्यादा बढ़ेंगे। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ प्रवास या पर्यटन का योग है। शारीरिक और मानसिक रूप से आप स्वस्थ रह पाएंगे।

वृष

आज वाणी पर संयम रखें. स्नेहीजनों के साथ किसी बात पर विवाद हो सकता है। आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहेगा। किसी उलझन में दिन गुजरेगा। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। आप नए काम का आरंभ कर सकेंगे।

मिथुन

सुबह का समय दोस्तों के साथ घूमने-फिरने, खान-पान एवं मनोरंजन में बीत सकता है। पार्टनरशिप काम में ध्यान रखें। व्यापार में ज्यादा लाभ की उम्मीद नहीं है। दोपहर के बाद आप को प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क

किसी तरह का आर्थिक लाभ भी हो सकता है। हालांकि, स्वास्थ्य को लेकर उतार-चढ़ाव बना रहेगा। गृह एवं संतान सम्बंधी शुभ समाचार आप को मिलेंगे। पुराने और बचपन के दोस्तों से मुलाकात हो सकती है। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है।

सिंह

मित्रों का सहयोग भी आप को प्राप्त होगा। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी। पारिवारिक शांति बनाए रखने के लिए निरर्थक वाद-विवाद न करें। धन और प्रतिष्ठा में हानि हो सकती है। आप की रचनात्मकता में सकारात्मक वृद्धि होगी।

कन्या

आज के दिन बौद्धिक काम, नए सृजन और साहित्यिक गतिविधि में आप उलझे रहेंगे। किसी धार्मिक यात्रा का आयोजन हो सकता है। व्यापार में लाभ का अवसर मिलेगा। आज आपको कार्यालय और व्यापार में थोड़ा संभलकर चलना होगा। स्नेहीजनों के साथ घनिष्ठता बढ़ेगी।

तुला

अपनी वाणी और व्यवहार को संयमित रखना आपके ही हित में रहेगा। आज आपकी नौकरी और व्यवसाय में रुचि बढ़ेगी। आज स्वास्थ्य का ध्यान रखें। साथी कर्मचारियों का साथ मिलेगा। संतान की चिंता आपको हो सकती है।

वृश्चिक

मानसिक रूप से आप में भावुकता की मात्रा अधिक रहेगी। किसी बात को लेकर ज्यादा विचलित ना हों। अपनी कल्पनाशक्ति से साहित्य-सृजन में आप नवीनता ला पाएंगे। सुख-शांति बनी रहेगी। व्यवसाय में सफलता प्राप्त होगी।

धनु

व्यापार में किसी तरह का लाभ होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। पूंजी निवेश में सावधानी बरतें। धार्मिक काम के पीछे धन खर्च हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के विषय में संभलकर चलें।

मकर

दवाई खरीदने या अस्पताल की फीस पर आकस्मिक खर्च हो सकता है। आज दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास के साथ हर काम को आसानी से बना पाएंगे। गृहस्थ जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा।

कुंभ

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दोपहर के बाद पारिवारिक जीवन में हर्षोल्लास का वातावरण बना रहेगा। आज कोई नया काम शुरू कर सकते हैं। पिता से आपको लाभ होगा। ज्योतिष और आध्यात्मिक विषयों में आपकी रुचि बनी रहेगी।

मीन

आज का आपका दिन लाभकारी है। पारिवारिक और प्रोफेशनल दोनों ही क्षेत्रों में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-परिवार में आनंद का वातावरण आप को खुश रखेगा। बहुत दिनों से अटके सरकारी कामों में सफलता मिलेगी। दोस्तों के साथ मुलाकात होगी।

जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास)। 15 मई को जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं सतर्कता समिति की बैठक का आयोजन गुरुवार को जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में किया गया। जनसुनवाई का आयोजन गुरूवार को कलेक्ट्रेट स्थित डीओआईटी वीसी रूम में हुआ। इसमें जिला कलक्टर लोक बन्धु ने 67 प्रार्थियों के अभाव अभियोग सुने। जन सुनवाई में अतिक्रमण, सड़कों की मरम्मत, पट्टा, रास्ता खुलवाने, पेंशन पेयजल, शिक्षा का अधिकार के अंतर्गत निजी विद्यालय में प्रवेश दिलाने, जनआधार अपडेट कराने, दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने, स्टार्टअप के लिए फंड दिलाने, विद्युत ट्रांसफार्मर स्थानान्तरित करने, वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत कराने, अतिक्रमण हटाने, शमशान भूमि की अवाप्ति, सीमाज्ञान कराने, किशनगढ़ के वार्ड नंबर 14 में महात्मा गांधी विद्यालय की भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाने, अवैध पट्टा निरस्त कराने, दौराई पुलिया की मरम्मत, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, रास्तों को अतिक्रमण मुक्त कराने, नाले एवं नालियों की सफाई, तबीजी मायापुर रोड से आबादी के ऊपर से गुजर रही 11 केवी विद्युत लाइन को स्थानांतरित करने के सम्बन्ध में प्राप्त समस्याओं के निस्तारण के लिए निर्देशित किया गया। जनसुनवाई की राज्य स्तर से वीसी के माध्यम से मॉनिटरिंग की गई। सम्भागीय आयुक्त महेश चन्द्र शर्मा भी उपस्थित रहे। जिला कलक्टर

लोक बन्धु ने कहा कि सरकार द्वारा जनसुनवाई के लिए त्रिस्तरीय व्यवस्था लागू की गई है। इसके अन्तर्गत प्रथम गुरूवार को ग्राम पंचायत, द्वितीय गुरूवार को उपखण्ड तथा तृतीय गुरूवार को जिला स्तर पर जनसुनवाई होती है। मई माह के तृतीय गुरूवार को जिला स्तरीय जन सुनवाई आयोजित हुई। अजमेर जिले की जन सुनवाई कलेक्ट्रेट स्थित डीओआईटी वीसी रूम में हुई। इसमें 67 प्रकरण प्राप्त हुए। इन प्रकरणों को निस्तारण के लिए सम्बन्धित विभागों को अग्रेसित किया गया। जिला कलक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीपी ग्राम एवं संपर्क पोर्टल पर प्राप्त वर्ष भर के समस्त प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और लंबित मामलों शीघ्र निपटाया जाए। उन्होंने अटल जन सेवा शिविरों में अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए । इससे अधिक से अधिक व्यक्ति शिविरों के माध्यम से न्याय एवं लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

सफलता की कहानी : भिनाय ब्लॉक की नंदू देवी के लिए जिला स्तरीय जनसुनवाई उम्मीद की किरण बनकर सामने आई। उन्होंने अपनी विधवा पेंशन स्वीकृति की समस्या जिला कलक्टर लोक बंधु के समक्ष रखी। जिला कलक्टर श्री लोकबंधु द्वारा उनकी पीड़ा को गंभीरता से सुना गया । उन्होंने मौके पर ही सामाजिक न्याय एवं अधिकारिक्ता विभाग के उपनिदेशक श्री जय प्रकाश को निर्देश देकर पेंशन स्वीकृत करवाई। नंदू देवी की समस्या का त्वरित समाधान मिलने पर उन्होंने जिला प्रशासन का आभार जताया। पेंशन स्वीकृति से उन्हें जीवन यापन का आधार मिला है ।

सतर्कता समिति की बैठक आयोजित : जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक में 9 प्रकरणों की सुनवाई की गई। सतर्कता समिति में विचार विमर्श किए गए प्रकरणों में नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए जिला कलक्टर श्री लोक बन्धु द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए गए। अजमेर दक्षिण विधायक श्रीमती अनिता भदेल ने विधानसभा क्षेत्र से सम्बन्धित प्रकरणों के सम्बन्ध में हुई चर्चा में अपने

राष्ट्रीय डेंगू दिवस आज

डेंगू से बचाव के लिए जिलेभर में चलेगा जागरूकता अभियान

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर, (राजू शर्मा)। राष्ट्रीय डेंगू दिवस आज 16 मई को जिलेभर में व्यापक जागरूकता गतिविधियों के साथ मनाया जाएगा। इस वर्ष का थीम देखें, साफ करें, ढकें: डेंगू को हराने के उपाय करें रखा गया है। जिलेभर में इस अवसर पर एंटीलार्वा गतिविधियां, सर्वे, सैम्पलिंग, एंटी-अडल्ट मच्छर नियंत्रण और ओपीडी में लार्वा प्रदर्शन के साथ-साथ जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. धर्मसिंह मीणा ने बताया कि डेंगू रोग के बचाव के लिए लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए हर वर्ष 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है। जिलेभर में डेंगू दिवस के दौरान डेंगू सहित अन्य मौसमी बीमारियों से बचाव व रोकथाम के लिए चिकित्सा सेवा के कार्मिकों द्वारा विभिन्न एन्टीलार्वल गतिविधियों का आयोजन कर आमजन को जागरूक किया जायेगा। उन्होंने बताया कि डेंगू को हराने के लिए सतर्कता, सफाई और बचाव ही सबसे महत्वपूर्ण उपाय हैं।

डेंगू जैसी घातक बीमारी से बचाव के लिए मच्छरों के प्रजनन को रोकना अत्यंत आवश्यक है। उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चेतराम मीणा ने बताया कि डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता है, इसलिए पानी से भरे बर्तनों को ढक कर रखना, किचन और बाथरूम को सूखा रखना और सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करना जरूरी है। बुखार होने पर तुरंत अपने नजदीकी चिकित्सालय में जाकर चिकित्सक से परामर्श लेना भी आवश्यक है। इस अवसर पर जिले के सभी ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को निर्देश दिए गए हैं कि वे हाई रिस्क क्षेत्रों में मच्छररोधी गतिविधियों का आयोजन करवाने के साथ ही जन जागरूकता अभियान के तहत पोस्टर, नारा लेखन, पैम्फलेट वितरण, लार्वा प्रदर्शन और अन्तर्विभागीय समन्वय बैठकें आयोजित करें। इसके अलावा, मई और जून में प्रत्येक रविवार को पानी जमा न होने देने का दिन ड्राई डे मनाया जाएगा, ताकि मच्छरों के पनपने की संभावनाएं खत्म की जा सकें।

अजमेर जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित

गर्मी में करें संवेदनशीलता से कार्य अजमेर जिला कलक्टर लोक बन्धु

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास)। जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में गुरूवार को जिला कलक्टर श्री लोक बन्धु ने गर्मी के दौरान जलदाय विभाग के अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश प्रदान किए। अजमेर जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति (डीडब्ल्यूएमएस) की बैठक गुरूवार को आयोजित हुई। इसमें जिला कलक्टर ने जल जीवन मिशन के समस्त बकाया कनेक्शन तत्काल करने के निर्देश दिए। इससे इनका लाभ इसी गर्मी में आमजन को मिल सकेगा। इसी प्रकार मेजर प्रोजेक्ट के कार्य की गति बढा कर बकाया नल कनेक्शन तत्काल जारी किए जाने

के लिए भी निर्देशित किया। किए गए नल कनेक्शनों को पॉर्टल पर अपलोड करें। एफएचटीसी ग्रामों के समस्त आंगनबाडी केन्द्र, विद्यालय एवं ग्राम पंचायत भवन को नल कनेक्शन से जोड़ना सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने कहा कि समस्त अधिकारी फील्ड में रहकर अपनी उपस्थिति दर्शाएंगे। पेयजल सप्लाई के दौरान विभागीय अधिकारी प्रारम्भिक, मध्यम एवं अन्तिम सिरे पर प्रेशर की जांच करेंगे। अन्तिम सिरे पर तक पेयजल पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास करें। इस दौरान स्थानीय व्यक्तियों के साथ पेयजल की उपलब्धता के सम्बन्ध में चर्चा की जाए। और उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता गर्मी के दौरान सभी को पेयजल उपलब्ध करवाना है। इसके लिए समय-समय पर जारी निर्देशों की पालना समस्त स्तरों पर होनी चाहिए। यह कार्य पूर्व प्राथमिकता से करें। क्षेत्र में अवैध नल कनेक्शनों के विरूद्ध जारी अभियान में तेजी लाने की आवश्यकता है। आदतन पेयजल चोरी करने वालों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करवाई जानी चाहिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं की क्रियान्विति समय पर होनी चाहिए। हेण्डपम्प की स्वीकृति जारी होने के सात दिवस में सभी हेण्डपम्प खुदने आवश्यक है। हेण्डपम्प की मरम्मत 24 घण्टे के भीतर होनी चाहिए। सर्म्पक पॉर्टल पर दर्ज शिकायतें प्राथमिकता से निस्तारित हो। गर्मी को देखते हुए नियंत्रण कक्ष एवं जन सुनवाई में प्राप्त शिकायतों का संवेदनशीलता से निस्तारण करें। ट्यूबवेल खुदाई के टेण्डर खुलते ही कार्यदेश जारी कर खुदवाने की व्यवस्था करें। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हिमांशु, अधीक्षण अभियंता श्री रामचन्द्र राड़, श्री राजीव कुमार सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बालिका स्कूल में नव प्रवेशित बच्चों का तिलक लगाकर किया स्वागत

ड्रॉप आउट एवं जरूरतमंद विद्यार्थी को शिक्षा से जोड़ने की पहल

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर, (राजू शर्मा)। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय धौलपुर में बुधवार को प्रधानाचार्य अर्चना मिश्रा के नेतृत्व में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के तहत नवीन प्रवेश के लिए आंगनबाड़ी एवं ड्रॉप आउट विद्यार्थियों का प्रवेश के लिए डोर टू डोर अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ व्याख्याता मंजू जादौन, भगवान सिंह मीना, रेखा शर्मा, आशु शर्मा, मनोज झा, शालिनी श्रीवास्तव, प्रीति कुमारी, रचना मीणा एवं अन्य स्टाफ सदस्यों द्वारा नवीन प्रवेशित बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए नव प्रवेशित बच्चों का तिलक लगाकर माल्यार्पण कर स्वागत किया। वरिष्ठ व्याख्याता मंजू जादौन ने बताया कि राजस्थान सरकार शिक्षा विभाग की कई योजनाएं चल रही हैं, जो बच्चों की शिक्षा को बेहतर बनाने और उन्हें अधिक अवसर प्रदान करने में मदद करती हैं। उन्होंने

बताया कि नव प्रवेशित बच्चों का स्वागत उन्होंने बताया कि गली-गली में जाकर डोर टू डोर सर्वे कार्य करवाया गया है, ताकि कोई भी पत्र जरूरतमंद विद्यार्थी शिक्षा से वंचित न रहे। राज्य पुरस्कृत व्याख्याता भगवान सिंह मीना ने बताया की ग्रीष्मकालीन अवकाश में डोर टू डोर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से संपर्क कर नामांकन बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। वरिष्ठ अध्यापक मनोज झा ने बताया कि राजकीय स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक ड्रेस मध्याह्न भोजन एवं कक्षा 1 से 12 तक निशुल्क किताबें, विभिन्न प्रकार की छात्रवृतियां, फ्री साइकिल, स्कूटी, लैपटॉप एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलता है।

इस अवसर पर स्कूल स्टाफ के सदस्य शालिनी श्रीवास्तव प्रीति कुमारी मनोज झा, वीर सिंह टांक, शैलेंद्र दीक्षित, मंजू जादौन, बेबी आसमा, अंजना मोदी, सुनीता कुमारी, शशि प्रभा उपाध्याय, रचना मीना, आशु शर्मा, मनसा देवी, देवयानी शर्मा, अनुपम पाराशर, बृजेंद्र सिंह, मिथिलेश धाकरे सहित अभिभावक मौजूद थे।

सम्पर्क पोर्टल 2.0 पर नियमित मॉनिटरिंग हो सभी कार्यालयों की प्राथमिकता : डीएम

जिला स्तरीय जनसुनवाई में जिला कलक्टर ने अधिकारियों को परिवादों के तीव्र निस्तारण के दिए निर्देश

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर, (राजू शर्मा)। जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में अटल सेवा केन्द्र में किया गया। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के दौरान लंबित चल रहे दर्ज प्रकरणों का प्राथमिकता से त्वरित निस्तारण करायें जिससे परिवादियों की समस्या का समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि प्रत्येक राजकीय कार्यालय में शिकायत समाधान पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। सभी अधिकारी सम्पर्क पोर्टल 2.0 पर लंबित परिवादों का प्रतिदिन नियमित फॉलोअप करें। प्राथमिकता से यथासम्भव परिवादो का निस्तारण गुणवत्तापूर्वक सुनिश्चित किया जाए। जिला कलेक्टर ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान सीवरेज एवं नालों की सफाई, अतिक्रमण हटवाने, सीवरेज लाईन कनेक्शन, राजस्व, सहित अन्य प्रकरण प्राप्त हुए जिनका शीघ्र निस्तारण करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये। जनसुनवाई में परिवादी विनोद के मामले में जिला कलक्टर ने 24 घण्टे के भीतर जेवीवीएनएल को लम्बित कृषि कनेक्शन दिलाए जाने हेतु निर्देश दिए। परिवादी सियाराम द्वारा ग्राम विपरपुर में चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराए जाने के सम्बन्ध में निर्देश दिए। परिवादी लक्ष्मण सिंह द्वारा राजस्व रिकॉर्ड में नाम शुद्धिकरण के लिए दर्ज प्रार्थना पत्र पर उपखण्ड अधिकारी को समुचित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। उन्होंने परिवादी सुशील कुमार शर्मा द्वारा दर्ज ग्राम महदपुरा में खेत पर जल भराव के सम्बन्ध में विकास अधिकारी राजाखेड़ा को समुचित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान 50 परिवाद प्राप्त हुए। जनसुनवाई में अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना, उपखण्ड अधिकारी साधना शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बच्चे बोले : पिता दूसरी महिला के साथ रहते, विरोध करने पर करते हैं मारपीट

बच्चों ने पिता पर लगाया प्रताड़ित करने का आरोप, एसपी से लगाई गुहार

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर, (राजू शर्मा)। चार भाई-बहनों ने अपने पिता पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में बच्चे बुधवार को एसपी कार्यालय पहुंचे। जहां बच्चों ने अपनी आपबीती सुनाई। सबसे बड़ी बालिग भारती निवासी दांदीपुरा बसेड़ी ने बताया कि उनके पिता नरेश कुमार किसी दूसरी महिला के साथ रहते हैं। चार साल पहले उनकी मां का बीमारी के कारण देहांत हो चुका है। मां के मरने के बाद पिता नरेश

ने उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया है। मां के जाने के बाद पिता के बर्ताव में बदलाव आने लगा। छोटी छोटी बातों पर पिता हम भाई-बहनों से मारपीट करने लगे। भारती ने आगे बताया कि जब मां जिंदा थी, तो पिता नरेश ने उन्हीं की देखरेख में मेरा रिश्ता एक जगह तय कर दिया था। लेकिन मां के मरने के बाद पिता ने उस रिश्ते को तोड़कर मेरा रिश्ता जबरन मेरी बिना मर्जी के रुपयों के लालच में एक अधेड़ के साथ तय कर दिया है और मुझ पर जबरन उससे शादी करने का दबाव बना रहे हैं। गांव में हम चारों भाई बहन अपने हाल पर अपना जीवन काट कर रहे हैं। पिता हमारी सुध लेने भी नहीं आते। पिता से भरण पोषण के लिए मांग करते है, तो पिता हमसे मारपीट और अभद्र व्यवहार करते हैं। मुझसे एक छोटी बहन है और दो भाई है, जो नाबालिग है। हम भाई-बहन पिता पर कार्रवाई चाहते हैं, जिसके चलते हमने एसपी धौलपुर के समक्ष पेश होकर प्रार्थना पत्र सौंपा है। पिता को बुलवाया गया है, दूसरे पक्ष की बात सुनकर आगे क्या उचित कार्रवाई करनी है, उसका निर्णय लिया जाएगा।

बच्चों ने पिता पर प्रताड़ित करने का भी आरोप लगाया है, पुलिस प्राथमिक तौर पर मामले की जांच कर रही है।

कमरों का ताला तोड़कर करीब 20 लाख रुपए के जेवर और नगदी चोरी

कोतवाली क्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की घटना, तीसरी मंजिल पर सो रहा था मकान मालिक

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर, (राजू शर्मा)। कोतवाली थाना क्षेत्र की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में गत रात चोर एक मकान से करीब 20 लाख रुपए के जेवर एवं नगदी को चोरी कर ले गए। सुबह होने पर जब गृह स्वामी को घटना की जानकारी मिली तो कोतवाली पुलिस को जानकारी दी जिस पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी लेते हुए चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित मोनू पुत्र सुमंत ने बताया कि वह मंगलवार को मकान की रजिस्ट्री लेने के लिए बाड़ी गए हुए थे। मंगलवार की शाम को उन्होंने अपने बच्चों से धौलपुर जाने के लिए बोला था। पीड़ित ने बच्चों को यह भी बोला कि सूना मकान हैं और सभी आभूषण और नगदी वहां रखी हुई हैं, लेकिन दो बेटे तो बाड़ी ही रह गए और एक बेटा हाउसिंग बोर्ड के मकान पर आ गया।

शादी समारोह के घर में घरेलू गैस सिलेंडर लीकेज होने से लगी आग,

खाना बना रही महिला झुलसी, अस्पताल में कराया भर्ती,उपचार के बाद धौलपुर रेफर

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी, (राजू शर्मा)। उपखंड के कंचनपुर थाना क्षेत्र के गढ़ी खिराना गांव में एक घर मे घरेलू गैस के लीकेज होने से लगी आग में खाना बना रही एक महिला के झुलसने का मामला सामने आया है। घटना में झुलसी महिला को बुधवार की रात बाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला असप्ताल धोलपुर रेफर किया है। बाड़ी अस्पताल में तैनात चिकित्सक डॉ महेश गुप्ता ने बताया कि बुधवार की रात करीब

10 बजे कंचनपुर थाना क्षेत्र के गढ़ी खिराना गांव से एक 50 वर्षीय महिला को अस्पताल लाया गया। जो बुरी तरह से झुलसी हुई थी। महिला का नाम रामबाई पत्नी रमेश कुशवाहा है साथ आये परिजनों ने बताया कि घर में 18 मई को बेटे की शादी होने जा रही है। ऐसे में शादी को लेकर अन्य कार्यक्रम चल रहे है। जिसमे रात को खाना बनाने के दौरान गैस लीकेज होने से आग लग गई। आग लगने की घटना में खाना बना रही महिला रामबाई बुरी तरह झुलस गई। परिजनों और अन्य लोगो ने जैसे-तैसे आग को बुझाया और झुलसी महिला को बाड़ी अस्पताल लेकर पहुचे। जहां मौजूद चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ द्वारा महिला को प्राथमिक उपचार देकर जिला अस्पताल धौलपुर की बर्निंग इकाई के लिए रेफर किया है।

नाबालिग आत्महत्या के मामले में आरोपित युवक की संदिग्ध मौत, पुलिस जांच में जुटी

फुटा दजवाजा निवासी मृतक के परिवारजनों ने मामले पर साधी चुपी

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर, (राजू शर्मा)। बीते मंगलवार को पड़ोसियों की धमकी से परेशान होकर पुराने शहर के फूटा दरवाजा निवासी एक नाबालिग युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अब उसी मामले में आरोपित एक युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई है। कोतवाली पुलिस ने अमन के परिवारजनों की लिखित शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। पुलिस इस मामले की हर एंगल से जांच पड़ताल कर रही है। जिससे अमन की की मौत का राज खुल सके। अमन के पिता पुरुषोत्तम ने मीडिया से बात नहीं की। कहा पूरे

मामले की जानकारी पुलिस से लें। उल्लेखनीय है कि मृतक अमन के पड़ोस में रहने वाली एक नाबालिग युवती ने बीते मंगलवार को फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। मृतका की मां ने मीडिया को बताया था कि बेटी द्वारा गालीगलोज के लिए टोकने पर आरोपी पड़ोसी झम्मन और अमन ने उसे तेजाब डालने की धमकी दी थी। धमकियों से बेटी परेशान थी। मृतका की मां ने थाना कोतवाली में दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। कोतवाली पुलिस इस मामले को सुलझा पाती उससे पहले ही मंगलवार देर शाम को मामले में आरोपित अमन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है।

इनका कहना : कल शाम की बात है कि व्यक्ति अमन पुत्र पुरुषोत्तम जिसने जहर खाना पाया गया है। मृतक के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है, बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिवारजनों की तहरीर पर मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी हुई है।

होरीलाल, उप निरीक्षक
थाना कोतवाली धौलपुर

मदरसे से लौट रही नाबालिग का अपहरण प्रयास, बाइक सवार की सूझबूझ से बची बच्ची

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। राजसमंद जिला मुख्यालय के कांकरोली थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक नाबालिग बच्ची के अपहरण का प्रयास किया गया। बच्ची मदरसे से घर लौट रही थी, तभी नकाबपोश बदमाशों ने उसे काले रंग की कार में जबरन बैठाने की कोशिश की। लेकिन बच्ची के चिल्लाने पर एक बाइक सवार मौके पर पहुंचा, जिसे देखकर आरोपी भाग निकले।

चिल्लाई तो पहुंचा बाइक सवार, आरोपी भागे : यह घटना कांकरोली थाना सर्कल के सुलूस रोड क्षेत्र में बुधवार दोपहर करीब 3.30 बजे की है। मदरसे से पढ़ाई के बाद नाबालिग बच्ची अपनी सहेली के साथ कब्रिस्तान वाले रास्ते से घर लौट रही थी। इसी दौरान एक काले रंग की कार आकर रुकी, जिसमें से तीन नकाबपोश युवक उतरे और उनमें से एक ने बच्ची का हाथ पकड़कर जबरन कार की डिक्की में डालने की कोशिश की। बच्ची की सहेली डर के मारे भाग गई, जबकि पीड़िता जोर-जोर से चिल्लाने लगी। उसी समय सामने से एक बाइक सवार युवक गुजर रहा था, जो बच्ची की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचा। बाइक सवार को देखकर नकाबपोश युवक तुरंत कार में बैठकर फरार हो गए। इसके बाद बाइक सवार ने बच्ची को सकुशल घर पहुंचाया।

शाम को बताई परिजनों को आपबीती : घटना के बाद बच्ची इतनी डर गई थी कि वह घर पर किसी से कुछ नहीं बोल सकी। बाद में शाम करीब आठ बजे उसने अपनी आपबीती दादी को बताई। परिजनों ने मोहल्ले के लोगों को जानकारी दी, जिसके बाद सभी लोग कांकरोली थाना पहुंचे और पुलिस को घटना से अवगत करवाया।

पुलिस जुटी जांच में, सीसीटीवी खंगाले : सूचना मिलते ही कांकरोली थाना प्रभारी हंसराम चौधरी अपनी टीम के साथ बच्ची को घटनास्थल पर लेकर पहुंचे। पुलिस ने बच्ची से घटनाक्रम की विस्तार से जानकारी ली और फिर शहर के विभिन्न चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के लिए कंट्रोल रूम पहुंची। बच्ची के बताए अनुसार दोपहर 3 से 4 बजे के बीच के फुटेज खंगाले गए। पुलिस देर रात तक संदिग्ध गाड़ी और बदमाशों की पहचान में जुटी रही।

दादी के पास रह रही थी बच्ची

मोहल्ले वालों ने बताया कि पीड़िता के माता-पिता सिरोही जिले में नौकरी करते हैं। गर्मी की छुट्टियों में बच्ची अपनी दादी के पास राजसमंद आई हुई थी और सुलूस रोड स्थित मदरसे में पढ़ाई कर रही थी। बुधवार को पढ़ाई के बाद घर लौटते समय यह घटना घटी। स्थानीय लोगों ने इस घटना को लेकर चिंता जताई है और पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ जैनोलॉजी एंड प्राकृत भवन का लोकार्पण कल

आचार्य सुनील सागर सहित 4 अन्य महाराज का आज होगा प्रवेश

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। श्री दिगंबर जैन ग्लोबल महासभा, मुंबई द्वारा मोहनलाल सुखाड़िया वि.वि. के जैन विद्या एवं प्राकृत विभाग में निर्मित कराये गये ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ जैनोलॉजी एंड प्राकृत भवन के ग्राउंड फ्लोर एवं वर्धमान सभा मंडप का 17 मई को दोपहर 3 बजे भव्य लोकार्पण किया जायेगा।

समारोह मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में आयोजित होगा।

श्री दिगंबर जैन ग्लोबल महासभा, मुंबई के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमनालाल हपावत ने बताया कि मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल एवं चण्डीगढ़ प्रशासक गुलाबचन्द कटारिया,समारोह अध्यक्ष मो.सु.वि.वि. की कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा,समारोह गौरव पीएनसी आगरा, प्रतिष्ठित रोड कन्ट्रक्शन के चेयरमेन प्रदीप जैन,समाज के प्रमुख स्तंभ आर.के.मार्बल के संस्थापक व उद्योगपति अशोक पाटनी, भामाशाह प्रमुख अतिथि गाजियाबाद अध्यक्ष तीर्थ क्षेत्र कमिटी के जम्बूप्रसाद जैन होंगे। पाण्डुलिपि हॉल का निर्माण इस कार्यक्रम के प्रेरणा स्रोत स्व. निर्मल कुमार सेठी के पुत्रधर्मन्द्र कुमार सेठी से प्ररित हो कर किया गया।

उन्होंने बताया कि 30 हजार वर्गफीट में निर्मित यह भवन जैन दर्शन, प्राकृत भाषा, एवं संस्कृति के प्रचार प्रसार में मील का पत्थर साबित होगा। ग्राउण्ड फ्लोर पर स्थित प्राकृत कक्षा का निर्माण गाजियाबाद के जम्बूप्रसाद जैन,कीर्ति स्तम्भ का निर्माण प्रदीप कुमार जैन द्वारा करवाया गया।

इस अवसर पर आचार्यश्री पुलक सागर महाराज के संघपती प्रदीप (मामा) जैन, समाज गौरव के रूप में दिनेश खोड़निया राष्ट्रीय अध्यक्ष 18000 हुमड़ समाज, शहर विधायक ताराचंद जैन, सकल दिंगबर जैन समाज के अध्यक्ष शांतिलाल वेलावत भी मौजूद रहेंगे।

हपावत ने बताया कि शुक्रवार को आचार्य सुनील सागर महाराज के साथ आचार्य कल्प इनके साथ समारोह में सुविवि के पूर्व कुलपति आई. वी. त्रिवेदी,सांसद मन्नालाल रावत, ग्लोबल महासभा संरक्षक व समारोह के समन्वयक प्रकाश जैन, समाजसेवी हंसमुख गांधी,ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा,पूर्व सांसद रघुवीर मीणा,जिला कलेक्टर नमित मेहता,यूडीए कमिश्नर राहुल जैन,देवस्थान विभाग के आयुक्त जतिन गांधी,सुविवि के कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो.एम.एस राठौड़,मो.सु.वि.वि. की वित्त नियंत्रक श्रीमती पूनम मेहता, पूर्व उपमहापौर पारस सिंघवी,भापजा जिलाध्यक्ष गजपालसिंह राठौड़,भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद सामर, समाज सेवी राजकुमार फत्तावत,श्वेताम्बर समाज के अध्यक्ष प्रकाश कोठारी, वास्तुशास्त्री प्रोजेक्ट निदेशक डॉ. संपत सेठी,महेंद्र कुमार टाया,प्रो. उदयचंद जैन, डॉ ज्योतिबाबू जैन, प्रो. प्रेमसुमन जैन, प्रो. हुकुमचंद जैन, डॉ श्यामलाल गोदावत,प्रतिष्ठाचार्य हंसमुख धरियावद, प्रो. नारायणलाल कच्छारा, प्रो जिनेन्द्रकुमार जैन,विभागाध्यक्ष जैन विद्या एवं प्राकृत विभाग डॉ सुमतकुमार जैन,प्रो. पारसमल अग्रवाल भी मौजूद रहेंगे।

हाथों-हाथ शुरू हो गई छगनलाल की एक वर्ष से रुकी वृद्धावस्था पेंशन, एरियर भी हुआ स्वीकृत

आमजन के लिए राहत लेकर आई जनसुनवाई, 13 को मौके पर ही मिली राहत

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में संवेदनशील राज्य सरकार द्वारा आमजन की शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने हेतु प्रतिमाह ग्राम, ब्लॉक एवं जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है जो अब आमजन की वर्षों से लंबित परिवेदनाओं के निस्तारण का प्रभावी माध्यम बन गई हैं। गुरुवार को कलेक्ट्रेट के डीओआईटीसी वीसी कक्ष में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई भी कई लोगों के लिए राहत लेकर आई। जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा के निर्देशन में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृजमोहन बैरवा ने प्रत्येक परिवादी की समस्या को सुना और हाथों-हाथ संबंधित विभाग के अधिकारी को समाधान के निर्देश दिए। सहायक निदेशक लोक सेवाएं लतिका पालीवाल ने बताया कि जनसुनवाई में 36 शिकायतें आई जिनमें से 13 का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, वहीं अन्य 23 शिकायतों पर भी विभागों को बिना किसी विलंब से कार्रवाई कर प्रार्थियों को राहत पहुंचाते हुए सूचित करने के निर्देश दिए।

एक साल से रुकी पेंशन हुई चालू : जनसुनवाई में छगनलाल लोहार निवासी उथनोल (देलवाड़ा) उपस्थित हुआ और बताया कि एक साल से उसे वृदधावस्था पेंशन नहीं मिल रही है, जिससे कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत सुनते हुए सीईओ ने मौके पर उपस्थित सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक दीपेन्द्र सिंह को पीड़ित को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। जांच करने पर पाया गया कि जन आधार कार्ड में बैंक खाता संख्या में कोई गड़गड़ी होने पर राशि नहीं जा रही है।

इस पर हाथों-हाथ जन आधार में मौजूदा प्रविष्टियों को ठीक किया गया। पीड़ित को अब एक वर्ष से रुकी हुई उसकी पूरी पेंशन की शत प्रतिशत राशि तो मिलेगी ही, साथ ही भविष्य में प्रतिमाह वृद्धावस्था की 1250 रुपए की पेंशन राशि अनवरत मिलती रहेगी।

राहत देने के पश्चात मौके पर ही उसे पेंशन स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। पीड़ित ने कहा कि वह त्वरित राहत के लिए राज्य सरकार का आभारी है।

प्रागपुरा की मेधा शर्मा ने राजस्थान विश्वविद्यालय में मचा दी धूम, गोल्ड मेडल से हुई सम्मानित

बढ़ता राजस्थान

पावटा (सुशील कुमार बंसल)। राजस्थान विश्वविद्यालय के 34वें दीक्षांत समारोह में प्रागपुरा कस्बे की निवासी मेधा शर्मा ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। गुरूवार को झालाना डूंगरी स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के मुख्य सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मेधा शर्मा को एमए पोलिटिकल साइंस में प्रथम रैंक हासिल करने पर गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। मेधा शर्मा के पिता संजय कुमार पशुधन सहायक हैं और माता गृहणी हैं। मेधा की इस उपलब्धि से उनके परिवार और पूरे कस्बे में खुशी की लहर है। समारोह में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दीक्षांत समारोह में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण, अभिभावक और अतिथि उपस्थित रहे।

मेधा शर्मा की इस उपलब्धि से प्रागपुरा कस्बे का नाम रोशन हुआ है और अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिली है।

गौ रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता : पावटा-प्रागपुरा में गौ रक्षक दल की पहल

बढ़ता राजस्थान

पावटा (सुशील कुमार बंसल)। नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा में गौ रक्षक दल ने एक बार फिर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया है। आकाश निर्वाण के नेतृत्व में गौ रक्षक दल की टीम ने रामलीला मैदान स्थित गोपाल भैया मंदिर के पास एक निराश्रित मृत गोमाता का अंतिम संस्कार किया। नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा की मदद से जेसीबी मशीन मंगवाई गई और हिंदू रीति-रिवाज से मृत गोमाता को मिट्टी में दफनाया गया। इस दौरान मोहित निर्वाण, अभिषेक निर्वाण, अब्दुल जोधपुरा, दीपक सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे जिन्होंने गौ रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। गौ रक्षक दल की इस पहल की सराहना करते हुए स्थानीय निवासियों ने कहा कि यह संगठन समाज के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। गौ रक्षा के प्रति इस तरह के प्रयास न केवल पशुओं के प्रति सहानुभूति को दर्शाते हैं बल्कि सामाजिक समरसता का भी प्रतीक हैं। आकाश निर्वाण ने बताया कि गौ रक्षक दल निरंतर इस तरह के प्रयास करता रहेगा ताकि समाज में गौ रक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ सके और पशुओं के प्रति सहानुभूति का भाव उत्पन्न हो सके। उन्होंने नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मौजूद लोगों ने गौ रक्षक दल के इस प्रयास की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे प्रयासों में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

नए सत्र में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का तिलक लगाकर किया स्वागत

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जनावद में प्रवेशोत्सव के प्रथम चरण के अन्तर्गत नव प्रवेशित विद्यार्थियों का एवं अभिभावकों का स्वागत व सम्मान किया गया,प्रवेशोत्सव प्रभारी अनिल कुमार मीणा ने बताया कि नव-प्रवेशित बालकों को एकलाई तिलक, पाठ्य सामग्री प्रदान कर विद्यालय स्टाफ एवं ग्रामवासियों से स्वागत किया। विद्यालय स्टाफ द्वारा राज्य सरकार की योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान कर अधिकाधिक विद्यार्थियों को विद्यालय में प्रवेश दिलाने हेतु अभिभावकों को प्रेरित किया।ह्यद्वष सदस्य 6 अभिभावकों ने राजकीय विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था पर संतोष जताकर अधिकाधिक प्रवेश दिलाने हेतु आश्वस्त किया।इस अवसर पर संस्था प्रधान सहित संपूर्ण स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

हंस इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिकोत्सव तरंग का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

पावटा (सुशील कुमार बंसल)। कस्बा स्थित हंस इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिकोत्सव तरंग एवं पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। हंस इंटरनेशनल स्कूल एजुकेशन ग्रुप के अध्यक्ष अशोक कुमार बंसल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भवानी शंकर अग्रवाल रहे। विद्यालय निदेशक पंकज बंसल, हंस महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा, प्रधानाचार्या सरस्वती शर्मा और अभिभावक गण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदे की आराधना और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि भवानी शंकर अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए खुली आँखों से सपने देखने चाहिए। इससे वे जीवन में उच्च पद प्राप्त कर समाज और देश की सेवा कर सकते हैं। हंस ग्रुप एजुकेशन के चेयरमैन अशोक कुमार बंसल ने कहा कि शिक्षा ही वह मार्ग है जिसके माध्यम से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव है। विद्यार्थियों को अनुशासित और संयमित जीवन को अपनाते हुए अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मोबाइल बुरी बला है, साउथ इंडियन, क्लासिकल गीत, देशभक्ति गानों पर डांस और पिरामिड प्रस्तुति से सबके दिलों को रोमांचित और हर्ष से सरोवर कर दिया। प्रधानाचार्या सरस्वती शर्मा ने अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए विद्यालय की आगामी योजनाओं और उद्देश्यों से अवगत करवाया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की कक्षा दसवीं की भावना कंवर और नवमी कक्षा के देवांश महावर ने किया।

चावत स्पोर्ट्स अकादमी मे डैन ग्रेडिंग परीक्षा संपन्न

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। चावत स्पोर्ट्स अकादमी मे डैन ग्रेडिंग परीक्षा संपन्न हुई। जिसमें क्योशी हसरत खान 9वीं डैन ब्लैक बेल्ट और सेन्सेई डॉ.विक्रम सहगल ने परीक्षा ली। कियारा इसरानी या अद्विता को ब्लैक बेल्ट प्रथम डेन, आदि अरोड़ा, यश अरोड़ा और निवान सुराणा को ब्लैक बेल्ट निदान डब्ल्यूएचक्यू जापान दिया गया। क्योशी हसरत खान ने सभी कराटेकारों के अच्छे प्रदर्शन की प्रंशसा की। सेंसई डॉ. विक्रम सहगल को इसका पूरा श्रेय दिया। बच्चों की इस उपलब्धि को सामने कराने के लिये आईओसी उदयपुर के प्रमुख अध्यक्ष विनोद साहू और एकेडेमी के प्रमुख निदेशक चांद चावत सहित सभी के अभिभावक मौजूद थे। क्योशी हसरत खान और सेंसई डॉ विक्रम सहगल ने कराटेकास को आगे बढ़ाया। आगामी 29 व 30 मई को मैसूर में आयोजित होने वाली नेशनल चैंपियनशिप के लिये सभी को शुभकामनायें दी।

राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने गुरूवार कों मेहंदीपुर बालाजी पहुंच कर बालाजी महाराज के दर्शन किये

बढ़ता राजस्थान

मेहंदीपुर बालाजी (भारत सिंह राजपूत)। राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने गुरूवार कों मेहंदीपुर बालाजी पहुंच कर बालाजी महाराज के दर्शन किये। उन्होंने बालाजी महाराज कों ढोक लगाकर देश में खुशहाली की कामना की। बालाजी मंदिर ट्रस्ट सचिव ने भाजपा महासचिव का स्वागत कर सिद्धपीठ बालाजी धाम के महंत डॉ नरेश पुरी महाराज के सानिध्य में बालाजी मंदिर ट्रस्ट द्वारा कई दशकों से किये जा रहे जनकल्याणकारी और सामाजिक कार्यों के बारे में जानकारी दी।उन्होंने भैरव बाबा और प्रेतराज सरकार के भी दर्शन किये। इस दौरान दौसा व करौली जिले के दर्जनों भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा महासचिव अरुण सिंह का स्वागत किया।भाजपा राष्ट्रीय महासचिव का बालाजी मंदिर पंडितो ने बालाजी के चोले का टीका लगाया।वहीं बालाजी मंदिर ट्रस्ट सचिव एम के माथुर ने भाजपा महासचिव अरुण सिंह कों बालाजी महाराज की मोदक प्रसादी भेंट की। इस दौरान दौसा भाजपा जिलाध्यक्ष प्रभुदयाल शर्मा व करौली भाजपा जिलाध्यक्ष गोवर्धन सिंह जादौन, बालाजी थाना एसएचओ बनवारी लाल मीणा सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला कलक्टर एवं एसपी ने राउप्रावि भोपा की भागल में देखे पर्यावरण संरक्षण के कार्य

हरियाली के बीच राउप्रावि भोपा की भागल में दिनभर गूंजती है पक्षियों की चहचहाहट, कलक्टर-एसपी ने देखा तो हो गए मंत्रमुग्ध

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा एवं एसपी मनीष त्रिपाठी ने गुरुवार को मोलेला के निकट स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भोपा की भागल पहुँच कर यहाँ पर्यावरण एवं पक्षी संरक्षण के क्षेत्र में हुए कार्यों को देख सराहना की। जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) राजेन्द्र गग्गड़ एवं (माध्यमिक) नूतन प्रकाश जोशी ने बताया कि विद्यालय में पक्षियों के संरक्षण के लिए शिक्षक कृष्ण गोपाल गुर्जर की ओर से बड़ी संख्या में पक्षियों के लिए मिट्टी-लकड़ी से निर्मित घोंसले, परिंडे, पक्षी दाना स्टैंड आदि लगाए गए हैं। इन प्रयासों से विभिन्न प्रजातियों के पक्षी प्रतिदिन विद्यालय परिसर में आते हैं। साथ ही विद्यालय परिसर में चारों ओर वृक्षारोपण कर पेड़ों का नियमित रखरखाव किया जा रहा है जिस वजह से यहाँ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। जिला कलक्टर एवं एसपी ने इन प्रयासों की सराहना की। इसके पश्चात विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से अध्ययन को लेकर बातचीत की। जिला कलक्टर ने जब बच्चों से स्थानीय भाषा में बात की तो बच्चे भी मुस्कुराने लगे। कलक्टर ने पट्ट पर गणित के अलग-अलग प्रश्न लिखे जिसका बच्चों ने जवाब दिया। इसी तरह अंग्रेजी में बात कर कलक्टर ने बच्चों का और उत्साहवर्धन किया। जिला कलक्टर एवं एसपी ने बच्चों को जीवन में पढ़ लिख कर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) राजेन्द्र गग्गड़, (माध्यमिक) नूतन प्रकाश जोशी, खमनोर सीबीईओ जमनालाल माली, अध्यापक कृष्ण गोपाल गुर्जर सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहे। अध्यापक कृष्ण गोपाल गुर्जर ने जिला कलक्टर को बताया कि वे 27 वर्षों से यह कार्य कर रहे हैं और अब तक 72 हजार से अधिक परिंडे, पक्षी दाना स्टैंड, मिट्टी-लकड़ी से निर्मित घोंसले, पानी के कुंड आदि भामाशाहों के सहयोग से वितरित कर चुके हैं।

उच्च रक्तचाप के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक माह तक चलेगा विशेष अभियान

17 मई से 16 जून तक होगें स्क्रीनिंग कैंप और जागरूकता कार्यक्रम

बढ़ता राजस्थान

भीलवाडा,(नि.स.)। आमजन को उच्च रक्तचाप और हृदय रोग से बचाव के प्रति जागरूक करने, समय पर स्क्रीनिंग के लिए प्रेरित करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व को समझाने के उद्देश्य से 17 मई 2025 को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर राज्यभर में हृदय रोग और उच्च रक्तचाप की रोकथाम के लिए एक माह का विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया जा रहा है। इसी क्रम में 'Cardiovascular Health for Everyone* थीम पर आधारित यह अभियान 17 मई से 16 जून 2025 तक जिलेभर में चलाया जायेगा। अभियान के दौरान चिकित्सा संस्थानों में स्वस्थ जीवनशैली हेतु स्क्रीनिंग कैम्पों का आयोजन किया जायेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 सीपी गोस्वामी ने बताया कि भारत एवं विश्व में असामयिक मृत्यु का मुख्य कारण हृदय रोग/उच्च रक्तचाप है। स्वस्थ्य जीवन शैली अपनाने से इससे होने वाली मृत्यु को काफी कम किया जा सकता है। उच्च रक्तचाप से बचाव की जानकारी आमजन को हो, इसके लिए जागरूकता बढाने को लेकर 17 मई को उच्च रक्तचाप दिवस का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के दौरान एक माह तक जिलेभर में व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर नि:शुल्क स्क्रीनिंग कैंपों का आयोजन किया जायेगा, जिसमें नागरिकों का ब्लड प्रेशर, शुगर और अन्य हृदय स्वास्थ्य से जुड़ी जांच की जाएगी।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस 16 मई को डेंगू से बचाव के लिए जिलेभर में चलेगा जागरूकता अभियान

आमजन साफ पानी में पनपने से रोकें मच्छर -डॉ. सामर

बढ़ता राजस्थान

बूँदी (अनन्त दाधीच)। राष्ट्रीय डेंगू दिवस 16 मई को जिलेभर में व्यापक जागरूकता गतिविधियों के साथ मनाया जाएगा। इस वर्ष का थीम देखें, साफ करें, ढकें डेंगू को हराने के उपाय करें रखा गया है। जिलेभर में इस अवसर पर एंटीलार्वा गतिविधियां, सर्वे, सैम्पलिंग, एंटी-अडल्ट मच्छर नियंत्रण और ओपीडी में लार्वा प्रदर्शन के साथ-साथ जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. ओ पी सामर ने बताया कि डेंगू रोग के बचाव के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए हर वर्ष 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है। जिलेभर में डेंगू दिवस के दौरान डेंगू सहित अन्य मौसमी बीमारियों से बचाव व रोकथाम के लिए चिकित्सा सेवा के कार्मिकों द्वारा विभिन्न एन्टीलार्वल गतिविधियों का आयोजन कर आमजन को जागरूक किया जायेगा। उन्होंने बताया कि डेंगू को हराने के लिए सतर्कता, सफाई और बचाव ही सबसे महत्वपूर्ण उपाय हैं। डेंगू जैसी घातक बीमारी से बचाव के लिए मच्छरों के प्रजनन को रोकना अत्यंत आवश्यक है। डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता है, इसलिए पानी से भरे बर्तनों को ढक कर रखना, किचन और बाथरूम को सूखा रखना और सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करना जरूरी है। बुखार होने पर तुरंत अपने नजदीकी चिकित्सालय में जाकर चिकित्सक से परामर्श लेना भी आवश्यक है। इस अवसर पर डिप्टी सीएम एच ओ डॉ कमलेश शर्मा ने बताया की जिले के सभी ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को निर्देश दिए गए हैं कि वे हाई रिस्क क्षेत्रों में मच्छररोधी गतिविधियों का आयोजन करवाने के साथ ही जन जागरूकता अभियान के तहत पोस्टर, नारा लेखन, पैम्फलेट वितरण, लार्वा प्रदर्शन और अंतर्विभागीय समन्वय बैठकें आयोजित करें। इसके अलावा, मई और जून में प्रत्येक रविवार को पानी जमा न होने देने का दिन ड्राई डे मनाया जाएगा, ताकि मच्छरों के पनपने की संभावनाएं खत्म की जा सकें।

नैनवां पालिका ई.ओ को किया एपीओ, निदेशालय में देगें उपस्थिति

जिला कलक्टर की रिर्पोट पर डीएलबी निदेशक एंव विशिष्ट सचिव ने किया एपीओ

बढ़ता राजस्थान

नैनवां,(टी.आर सैनी)। एक बार फिर नैनवां पालिका सुर्खियो में है। गुरूवार को राजस्थान सरकार के स्वायत शासन विभाग के निदेशक एंव विशिष्ट सचिव इन्द्रजीत सिंह ने नैनवां पालिका में कार्यरत अधिशाषी अधिकारी मोती शंकर नागर को एपीओ कर दिया है। ई.ओ को आदेशो की प्रतीक्षा में निदेशालय में उपस्थित होने का आदेश जारी किया है। उन्होने आदेश में बताया कि जिला कलक्टर बूंदी ने 1 मई को स्वायत शासन विभाग को अवगत करवाया कि मोती शंकर नागर अधिशाषी अधिकारी नैनवां के विरूद्व अपने पदीय दायित्वो का निर्वहन पूर्ण निष्ठा से नहीं करने,विभागीय निर्देशो एंव बून्दी जिला कलक्टर कार्यालय से जारी आदेशो की पालना समय पर नहीं करने,बिना सक्षम स्वीकृति के अक्सर अपने कार्यालय से अनुपस्थित रहने,जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, जनाधार वेरिफिकेशन,पेंशन वेरिफिकेशन एंव एनएफएसए जैसे अतिआवश्यक कार्यो का निष्पादन समय पर नहीं करने,जनसुवाई अभाव अभियोग एंव सर्तकता हेतु आयोजित बैठको में पूर्व सूचना अनुपस्थित रहने जैसी शिकायते प्रस्तुत की गई थी। जिला कलक्टर बून्दी द्वारा विभाग को प्रेषित रिर्पोट को दृष्टिगत रखते हुए ई.ओ को एपीओ करके मुख्यालय में लगाया गया है।

खण्डेल में मासिक बैठक आयोजित

बढ़ता राजस्थान

फुलेरा (नि.स.)। कस्बे के समीपवर्ती निर्माण संस्था खण्डेल के परिसर में गुरुवार को दोपहर 1 से 3 बजे तक ग्रामीण मासिक बैठक निदेशक रामेश्वर लाल वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस बैठक में कार्य क्षेत्र के 566 ग्रामीण,युवक, युवतियों सम्मिलित हुई। बैठक के प्रारंभ में मानसून फसलो के लिए बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया। जिसके अन्तर्गत प्रत्येक किसान परिवार को 4 बीघा तक बीज वितरण किया जायेगा। मुख्य रूप से बाजरा, मूंग, ग्वार दिया जायेगा। जिसमें लाभार्थी हिस्सा राशि एक चौथाई रहेगी। आगामी 26 जून को 250 किसानो को बीज वितरण किए जाएंगे। इसके लिए सभी किसानों को आवश्यक दस्तावेज जमीन की जमाबंदी की कॉपी,आधार कार्ड,राशन कार्ड स्वहस्ताक्षरित एवं मोबाईल नम्बर इत्यादि संलग्न करने अनिवार्य है। बैठक के अंत में स्कूलों-कॉलेजों के परिणाम आने के बाद बालिका संसद की किशोरी बालिकाओं के लिए शैक्षणिक टैबलेट जुलाई माह में दिए जाने की बात कही। साथ ही मीटिंग में यह भी निर्णय लिया गया कि बालिका संसद का दूसरा अधिवेशन 1 जून को आयोजित किया जायेगा। बैठक में बालिका संसद की किशोरी बालिकाओं को स्वरोजगार प्रशिक्षण जैसे कंप्यूटर प्रशिक्षण, सिलाई प्रशिक्षण, ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण आवेदन करने पर दिया जा सकता है।

जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित

जन-सुनवाई में प्राप्त सभी परिवेदनाओं का करें शत-प्रतिशत निराकरण : जिला कलक्टर

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। प्रत्येक तीसरे गुरुवार को आयोजित होने वाली जन सुनवाई में गुरुवार को सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के वीसी कक्ष में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए परिवादियों ने अपनी समस्याओं, मांगों और शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किये। ज़िला कलक्टर जसमीत सिंह संधु ने जन-सुनवाई में आम जनता की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित विभाग को तुरंत निर्देश जारी किए।

जिला कलक्टर संधु ने जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा कि जन-सुनवाई का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता से निराकृत कर उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पहुंचाना है। अत: सभी अधिकारी जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर शीघ्रता से कार्यवाही सुनिश्चित करें। जनसुनवाई में कुल 140 से अधिक प्रतिवाद प्राप्त हुए। जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता से परिवादों के निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्रमुख रूप से अतिक्रमण, रास्ते के प्रकरण, पानी भराव की समस्या, गंदगी, जल निकासी, पानी का कनेक्शन, राशन कार्ड चालू करवाने, तथा पुलिस संबंधी प्रकरण प्राप्त हुए जिनको जिला कलेक्टर श्री संधु ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर त्वरित तथा संतुष्टि पूर्ण समाधान के लिए निर्देशित किया।

जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित : जिला जन अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित हुई जिसमें 18 प्रकरणों पर सुनवाई की गई। बैठक में लम्बित प्रकरणों को जल्द निस्तारित करने के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि जनसुनवाई में आने वाले सभी प्रकरणों को निश्चित समयावधि में निस्तारित किया जाये। जिला कलेक्टर ने संपर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए 6 महीने से अधिक लम्बित प्रकरणों के जल्द निस्तारण के लिये संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने सभी प्रकरणों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन को राहत दी जाये। इस दौरान पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव अतिरिक्त जिला कलेक्टर 6प्रशासन8 ओ पी मेहरा सहित जिला स्तरीय अधिकारी तथा सभी उपखंड से उपखंड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से उपस्थित रहे।

विद्यालय और देवालय में परिंदों के लिए दाना पानी का परिंडा लगाया

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। कोठियां के समीपवर्ती ग्राम खेड़ा पालोला में भारत विकास परिषद शाखा गुलाबपुरा द्वारा विद्यालय, देवालय और सार्वजनिक स्थान पर भीषण गर्मी में परिंदों के लिए दाना पानी के पात्र रखवाकर विद्यार्थियों एवं नागरिकों को देखभाल का दायित्व प्रदान किया गया। प्रांतीय प्रकल्प प्रभारी किशोर राजपाल ने बताया कि प्यासे को पानी पिलाना धर्म है चींटी को आटा व पक्षियों के लिए दाना पानी हमारी संस्कृति का भाग है।भीषण गर्मी में पर्यावरण पक्षियों के संरक्षण के लिए परिषद द्वारा अंचल में दाना और पानी के पात्र का निशुल्क वितरण किया जा रहा है। शाखा प्रकल्प प्रभारी रमेश सोनी ने अनजन से अपील की है कि भीषण गर्मी में परिंदों का सहारा बने।अपने घर और परिवेश में परिंदों के लिए परिंडा लगाकर जीवो के प्रति सद्भावना का परिचय दे। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष राम कुवांर चौधरी,पूर्व वार्ड पंच कालूराम भील, राम प्रसाद जाट तेज मंडली प्रमुख शिवराज चौधरी सेवानिवृत्त अध्यापक बजरंग लाल नायक प्रधानाध्यापक अखत्यार अली,इको क्लब प्रभारी मीना खटीक बालचर प्रभारी निकिता उपाध्याय ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया।

मंदिर में सोए साधु पर बीती रात हुआ जानलेवा हमला, अलसुबह हुई मौत

बढ़ता राजस्थान

रायपुर/भीलवाडा,(नि.स.)। भीलवाड़ा जिले के रायपुर गांव से एक सनसनीखेज और रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है।

जहां बीती रात माता जी मंदिर में सोए साधु पुजारी पर हमलावर ने मंदिर में घुसकर साधु की हथियार से बीती रात पैर तोड़ दिया और फिर बेरहमी से पूरे मंदिर में घसीटा जिसके कारण पूरे मंदिर में खून ही खून फैल गया जोरदार रोने की आवाज आने के कारण मोहल्लेवासी जाग गए लोगों के जाग जाने से आरोपी मौके से भाग छूटा लोगो ने जैसे तैसे साधु को रायपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां से स्थिति गंभीर होने से जिला भीलवाड़ा महात्मा गाँधी चिकित्सालय रेफर किया गया जहां अलसुबह मौत हो गई । मृतक की पहचान 62 वर्षीय सुखा नाथ योगी के रूप में हुई है, जो अपनी बाल्यावस्था से ही साधु मंदिर की पूजा पाठ करते थे और वर्षों से गांव के मंदिर में पूजा-पाठ कर व भिक्षा मांगकर जीवन यापन कर रहे थे। आरोपी पिंटू सेन को रायपुर पुलिस ने बीती रात डिटेन करके पूछताछ करने में लगी है।

जिला प्रशासन के सहयोग से बूंदी जिले में रोके गये बाल-विवाह

बढ़ता राजस्थान

बूँदी (अनन्त दाधीच)। बूंदी जिले में बाल-अधिकारों की सुरक्षा और बाल- अधिकारों की रोकथाम के लिए कार्यरत ग्रामराज्य विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान बच्चो की न्याय तक पहुच कार्यक्रम के तहत बाल-विवाह, बाल-श्रम, बाल-तस्करी आदि अन्य सामाजिक मुद्दों पर कार्य कर रही है। जैसा की हम सभी जानते है, कि बाल-विवाह एक सामाजिक बुराई है, यह बाल अधिकारों का उल्लंघन है, क्योकि यह बच्चो को हानिकारक प्रथाओ, और शोषण से सुरक्षा के उनके अधिकारों से वंचित करता है, इसे जड़ से खत्म करना आवश्यक है। बूंदी जिले में बाल-अधिकारों की सुरक्षा और बाल- अधिकारों की रोकथाम के लिए कार्यरत ग्रामराज्य विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान की परियोजना समन्वयक अभिलाषा अग्रवाल और सुमन शर्मा ने बाल-विवाह की रोकथाम के लिए जिला प्रसाशन को अक्षय तृतीया और पीपल पूर्णिमा जेसे अन्य अबूझ सावे पर होने वाले बाल-विवाहों को समय से अवगत कराया।

राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत की 21 मई प्रदेशव्यापी जत्था अभियान को लेकर कपासन में बैठक

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के तत्वावधान में गुरुवार को नगर के राजमार्ग स्थित दुर्गा माता मंदिर परिसर में शिक्षक सभा का आयोजन किया गया।उक्त शिक्षक में जिला उपाध्यक्ष अपर्णा सिंह द्वारा प्रदेश सरकार की शिक्षा एवं शिक्षक विरोधी नीतियों के खिलाफ कड़ा विरोध जताते हुवे कहाकि शिक्षकों के स्थानांतरण व पदोन्नति नही होने तथा सरकार की हठधर्मिता के चलते शिक्षक वर्ग आंदोलन हेतु विवश है। ब्लॉक अध्यक्ष शंकर लाल चौधरी ने बताया कि आगामी 21 मई को संगठन के नेतृत्व में प्रदेशव्यापी जत्था अभियान की शुरुआत उदयपुर से की जायेगी।उक्त जत्था डूंगरपुर, बांसवाड़ा ,उदयपुर,राजसमंद, चित्तौड़गढ़,भीलवाड़ा से 27 मई को किशनगढ़ में पैदल कूच के साथ जुड़ेगा।शिक्षकों का पैदल कूच 2 जून को जयपुर पहुंचने के पश्चात संगठन के द्वारा आंदोलन संबंधी आगे की रणनीति तय की जायेगी।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष शंकरलाल वर्मा, ब्लॉक उपाध्यक्ष चंदन चोरा,ब्लॉक मंत्री राजेंद्र यादव, दिनेश चौधरी,इंद्रा,कृष्णा,चंचल शर्मा,सुमन चौधरी, ममता,मंजुबाला,ब्लॉक कोषाध्यक्ष प्रमोद जांगिड़, परेश्वर जोया,गोविंद यादव,सुधीर कुमार,सुरेश चेची, जिला कार्यकारिणी सदस्य राम सिंह चौधरी,दयानंद, ब्लॉक संघर्ष समिति संयोजक राकेश वर्मा,ब्लॉक उपाध्यक्ष फारूक खान,तौफीक,धर्मवीर,पवन,आशा राम, प्रेमचंद, रामप्रकाश माहिया,लोकेश,ईश्वरलाल, रामचंद्र,विकास राव,भारत हुड्डा,अनिल,हरिकिशन शर्मा,रामकृष्ण चौधरी, हंसराज,खुशीराम,शंकर पिलानिया,रामेश्वर भांबी,राजकुमार मीणा,मुकेश चौधरी,सुकेश,मुकेश जाट,शंकर चौधरी आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

भारतीय सेना के सम्मान में जिलेभर में निकलेगी तिरंगा यात्रा

शहर में 20 मई को निकलेगी तिरंगा यात्रा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ आएंगे

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार भीलवाड़ा जिले में निकलने वाली तिरंगा यात्राओं की तैयारियों के लिए जिला कार्यालय पर एक आवश्यक बैठक तिरंगा यात्रा अजमेर संभाग समन्वयक भाजपा के वरिष्ठ नेता पुखराज पहाड़िया एवं अजमेर नगर निगम उपमहापौर नीरज जैन के मुख्य आतिथ्य, जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा की अध्यक्षता, महापौर राकेश पाठक की विशिष्ट उपस्थिति में आयोजित हुई।

जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि बैठक में वरिष्ठ नेता पुखराज पहाड़िया ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से यह सिद्ध हुआ कि जहां दुनिया सोचना खत्म कर देती है वहां से पीएम मोदी की सोच शुरू होती है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा - राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक% थीम पर आधारित इस यात्रा का उद्देश्य देश में भारतीय सेना के सम्मान में एक वातावरण का निर्माण करना है। उन्होंने जिले में तिरंगा यात्रा को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करते हुए इसकी तैयारियों और व्यवस्थाओं के संदर्भ में चर्चा की। अजमेर नगर निगम उपमहापौर नीरज जैन ने कहा कि तिरंगा यात्रा किसी राजनीतिक पार्टी का कार्यक्रम नहीं है। यह देश का, सर्व समाज का देश की सक्षम नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के प्रति आभार के साथ साथ सशक्त भारतीय सेना और देश की माताओं बहनों के सम्मान के लिए आयोजित किया जा रहा कार्यक्रम है, जिसमें आमजन की भागीदारी रहेगी। तिरंगा यात्रा के माध्यम से यह भी संदेश देना है कि यह नया भारत है जो आतंकियों को घर में घुसकर मारता है। जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने बताया कि तिरंगा यात्रा जिला मुख्यालय और फिर विधानसभा क्षेत्रवार भी निकाली जाएगी। इसकी व्यवस्थाओं के लिए क्षेत्रवार व्यवस्था समितियों का गठन किया जा रहा है। बैठक में प्रदेश नेतृत्व की सहमति से महापौर राकेश पाठक को तिरंगा यात्रा का जिला संयोजक मनोनीत किया गया। पाठक जिले की सभी विधानसभाओं में निकलने वाली तिरंगा यात्राओं की व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग करेंगे।

करोड़ों रूपए की लागत से होगा पेयजल टंकी का निर्माण

नगरपालिका क्षेत्र में करोड़ों रूपए की लागत से होंगे विकास के कार्य : रामसहाय वर्मा

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। शहर के वार्ड नंबर 6 खंगारों के मोहल्ले में पानी की टंकी का विधिवत्त पूजा अर्चना के साथ शिलान्यास किया गया। शिलान्यास समारोह में मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, अध्यक्षता कर रहे नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी, विशिष्ट अतिथि भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष अंकुर गुप्ता व पार्षद भानु कुमावत ने विधिवत भूमि पूजन करके शिलान्यास किया। इस दौरान वार्ड वासियों द्वारा अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि नगरपालिका क्षेत्र में करोड़ों रूपए की लागत से आमजन की सुविधा के लिए कई विकास के कार्य किए जा रहे हैं। शहर में सिवरेज सहित बस स्टैंड का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। वहीं निवाई पीपलू विधानसभा क्षेत्र में पेयजल को लेकर कार्य प्रगति पर है। कुछ ही दिनों में उप जिला अस्पताल का विकास कार्य भी शुरू होगा। पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने कहा कि निवाई शहर में करोड़ों रूपए की लागत से आमजन की सुविधा के लिए पेयजल सुविधा हेतु टंकी का निर्माण कार्य करवाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री कन्हैयालाल चौधरी व विधायक रामसहाय वर्मा के अथक प्रयासों से आमजन को सुविधा हेतु टंकी की स्वीकृति हुई है। उन्होंने बताया कि वाल्मीकि समाज के लिए सामुदायिक भवन का भी लोकार्पण किया गया है और जल्द ही 80 फीट रोड पर स्थित सामुदायिक भवन के समीप 10 करोड़ रूपए की लागत से सेंट्रल पार्क का निर्माण किया जाएगा। समारोह में जयपुर नगर निगम पार्षद अंकित वर्मा, पार्षद परसराम कुमावत, नितिन छाबड़ा, भाजपा नेता रामप्रसाद शर्मा, नटवाड़ा मंडल अध्यक्ष बद्री विजय, शालू कुमावत, जीतू विजय, जितेंद्र धरवाल, पूर्व सरपंच कैलाश नटवाड़ा, रामचरण पारीक, केदार चौधरी व नगेंद्र सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

नवनियुक्त भाजपा शहर अध्यक्ष रंगीला का किया स्वागत

बढ़ता राजस्थान

नैनवां, (टी.आर सैनी)। नैनवां शहर में लम्बे अर्से से भाजपा शहर अध्यक्ष का पद रिक्त चल रहा था। बुधवार को भाजपा संगठन ने अनिल रंगीला को शहर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। रंगीला को नियुक्त किया जाने पर नैनवां भाजपा कार्यकर्ताओ ने खुशी जाहिर करते हुए नवनियुक्त शहर अध्यक्ष का मुंह मीठा करवाया गया। सांफा एंव माला पहना कर स्वागत किया गया। इस दौरान पूर्व ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र नागर,पूर्व चैयरमैन पुखराज ओसवाल, गोपीलाल सैनी, राजाराम मीणा मंडल उपाध्यक्ष, रेशम सिंह मीणा पंचायत समिति सदस्य, कृष्ण मुरारी तिवारी पूर्व पार्षद, महेंद्र बरमुंडा पूर्व पार्षद, कौशल साहू ,प्रेम मीणा एसटी मोर्चा अध्यक्ष, सूरज गुर्जर शहर मंत्री, अविनाश बूथ अध्यक्ष, मनोज भाट, कमलेश सैनी, अमन शर्मा, दीपक सुमन वह अन्य भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नवनियुक्त शहर अध्यक्ष अनिल रंगीला ने शहर अध्यक्ष बनाए जाने पर शीर्ष नेतृत्व में सांसद दामोदर अग्रवाल, बूंदी जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर, जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, संगठन जिला प्रभारी जुगल शर्मा का आभार प्रकट किया है।

सिर्फ 4 लोगों को थी ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी

बुद्ध पूर्णिमा की तय तारीख से 5 दिन पहले लॉन्च; मोदी ने अपनाई इंदिरा-अटल की नीति

पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह करने वाला 'ऑपरेशन सिंदूर' 12 मई को होना था, लेकिन इसे 5 दिन पहले 6-7 मई की रात ही लॉन्च कर दिया गया। इसकी वजह पाकिस्तान से मिला स्ट्रॉन्ग इंटेलिजेंस इनपुट था।

मिनिमम डैमेज, मैक्सिमम आउटपुट से भारतीय सेना ने किया आतंकियों का सफाया

21 संभावित आतंकी ठिकानों में से सिर्फ 9 को ही क्यों निशाना बनाया गया? इसके जवाब में सूत्रों ने बताया कि ये ऑपरेशन रियल टाइम इंटेलिजेंस इनपुट पर आधारित था। हमारा मकसद सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाना नहीं था, बल्कि ज्यादा से ज्यादा आतंकियों को मौत के घाट उतारना था। इसलिए हमें जहां भी मैक्सिमम आउटपुट मिल सकता था, हमने वहां एक्शन लिया। साथ ही, हमें इतनी सटीक कार्रवाई करनी थी कि एक ही कंपाउंड में एक बिल्डिंग बचाते हुए दूसरी बिल्डिंग को ध्वस्त करना था। हम ये सुनिश्चित करना चाहते थे कि हमारी जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान के आम लोगों या पाकिस्तानी मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर को कोई नुकसान न पहुंचे। टारगेट किए गए लोकेशन्स पर मूवमेंट्स हो रही थीं इसलिए रियल टाइम इनपुट्स के आधार पर हमने कुछ टारगेटेड लोकेशन्स को हिट नहीं किया।

12 मई को बुद्ध पूर्णिमा के दिन होना था 'ऑपरेशन सिंदूर'

इंदिरा ने बुद्ध पूर्णिमा को किया था
'ऑपरेशन स्माइलिंग बुद्धा'

तारीख- 18 मई, 1974 | **जगह**- पोकरण, राजस्थान

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत ने पहली बार न्यूक्लियर टेस्ट किया, जिसका नाम था **'ऑपरेशन स्माइलिंग बुद्धा'**।

बुद्ध पूर्णिमा की वजह से ऑपरेशन का नाम महात्मा बुद्ध पर रखा गया। भारत ने दुनिया को शांति के साथ खुद के न्यूक्लियर पॉवर होने का संदेश दिया था।

अटल ने बुद्ध पूर्णिमा को किया
'ऑपरेशन शक्ति'

तारीख- 11 मई, 1998 | **जगह**- पोकरण, राजस्थान

ये दिन भी बुद्ध पूर्णिमा का था। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेई ने 3 परमाणु परीक्षण करवाए। दो दिन बाद 13 मई को 2 और न्यूक्लियर टेस्ट हुए। इसे **'ऑपरेशन शक्ति'** नाम दिया गया।

महात्मा बुद्ध की जयंती के दिन न्यूक्लियर टेस्ट करके भारत ने ये भी मैसेज दिया कि न्यूक्लियर पॉवर होने के साथ ही भारत एक शांतिप्रिय देश है।

पीएम मोदी भी इंदिरा-अटल की तरह ही दुनिया के सामने भारत की शांतिप्रिय, लेकिन शक्तिशाली छवि को बुद्ध पूर्णिमा के दिन मजबूती से पेश करना चाहते थे।

23 अप्रैल को बन गया था 'ऑपरेशन सिंदूर' का प्लान

22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले ही दिन सऊदी अरब का दौरा बीच में छोड़कर भारत लौटे और देर शाम कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक ली।

सेना से जुड़े विश्वस्त सूत्रों ने दैनिक भास्कर को बताया कि पहलगाम आतंकी हमले की जवाबी कार्रवाई और पाकिस्तान परस्त आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने वाले 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम पीएम मोदी ने 23 अप्रैल को ही दे दिया था। इसके लिए तारीख भी तय कर दी गई थी, 12 मई 2025 यानी बुद्ध पूर्णिमा।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुखों को पाकिस्तान पर ठोस और निर्णायक जवाबी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

भारत की इंटेलिजेंस एजेंसियों ने खुफिया जानकारी के आधार पर पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में कुल 21 आतंकी ठिकानों की लिस्ट बनाई, जिन पर लगातार नजर रखी गई।

उरी और पुलवामा आतंकी घटनाओं के बाद भारत की जबरदस्त जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान सतर्क था। उसे पता था कि भारत इस बार पहले से ज्यादा कठोर कार्रवाई करेगा। इसीलिए आतंकी ठिकानों को खाली करा दिया गया था और आतंकी दूसरी जगहों पर जा छिपे थे।

भारत के हमलों से पाकिस्तान सीजफायर के लिए हुआ मजबूर

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तमाम विदेशी हथियारों के साथ ही ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया गया। एयरफोर्स से जुड़े एक अधिकारी ने पाकिस्तान के खिलाफ इस्तेमाल की गई ब्रह्मोस मिसाइलों की संख्या तो नहीं बताई, लेकिन इतना कहा कि जितनी इस्तेमाल करनी चाहिए थी उतनी ब्रह्मोस मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ है। इन हमलों में पाकिस्तान के कई महत्वपूर्ण एयरबेस ध्वस्त किए गए। इनमें से सरगोधा एयरबेस इंटरनेशनल बॉर्डर से सबसे दूर था, जिसकी इंटरनेशनल बॉर्डर से दूरी करीब 180 किमी है। भारतीय सेना के सूत्रों के मुताबिक, इन हमलों के दौरान ज्यादातर पाकिस्तानी रडार काम नहीं कर रहे थे। इनको पहले ही स्ट्रैटिजिकली एलिमिनेट कर दिया गया था। अपने मोस्ट स्ट्रैटेजिक मिलिट्री एस्टैबलिशमेंट्स पर हमले के बाद पाकिस्तान को अपने फाइटर जेट्स तक को सुरक्षित रखना मुश्किल हो गया था। पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम पहले ही तबाह हो चुका था, ऐसे में उनके पास सीजफायर के अलावा कोई दूसरा विकल्प मौजूद नहीं था। सीजफायर वॉयलेशन की घटनाओं पर आर्मी सोर्सेज ने कहा कि इनमें ज्यादातर डिस्ट्रैक्शन ड्रोन हैं, पाकिस्तान को पता है कि भारत के एयर डिफेंस सिस्टम को भेद पाना उसके लिए नामुमकिन है। इसलिए वो सीमा पर पैनिक क्रिएट करने और अपनी जनता को खुशफहमी में रखने के लिए ऐसी हरकतें कर रहे हैं।

भारत की कार्रवाई में देरी से आतंकी वापस ठिकानों पर लौटे

सूत्रों के मुताबिक, 12 दिनों तक भारत की तरफ से कोई कार्रवाई न होने पर आईएसआई और आतंकी सरगनाओं को लगा कि शायद भारत जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। इसी गलतफहमी में आतंकी अपने ठिकानों पर लौटने लगे।

भारत की इंटेलिजेंस एजेंसियों ने इन ठिकानों पर लगातार नजर बनाई हुई थी। 6 मई की दोपहर बाद भारतीय खुफिया विभाग को जानकारी मिली कि आतंकी ठिकानों पर हलचल बढ़ गई है और आतंकी अब वापस लौट चुके हैं।

इंटेलिजेंस और सैटेलाइट सर्विलांस से इसकी पुष्टि होने के बाद तय किया गया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए 12 मई का इंतजार नहीं करना है। प्रधानमंत्री मोदी को बताया गया तो उन्होंने हरी झंडी दे दी।

पीएम के निर्देश के बाद से ही भारतीय सेना ऑपरेशन को लेकर पूरी तरह से तैयार थी। हालांकि, तारीख और समय किसी को नहीं पता था। 6 मई की शाम तक सिर्फ 4 लोगों को 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में पता था। सेना से जुड़े सूत्रों ने बताया कि ऑपरेशन की गोपनीयता बरकरार रखने के लिए हर संभव कोशिश की गई। किसी भी पायलट या ग्राउंड स्टाफ को विशेष तौर पर नहीं बुलाया गया।

क्या ऑपरेशन में महिला पायलट्स भी शामिल थीं? इसका जवाब देते हुए सूत्र ने बताया कि ऑपरेशन के लिए महिला-पुरुष नहीं देखा गया, उस वक्त जो भी मौजूद था, उन सबका इस्तेमाल किया गया। एयरफोर्स के साथ ही आर्मी और नेवी ने भी पूरी मुस्तैदी से 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया।

बुद्ध पूर्णिमा को पीएम मोदी ने दिया राष्ट्र के नाम संबोधन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भले ही 12 मई को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च नहीं कर पाए, लेकिन उन्होंने इस दिन का इस्तेमाल राष्ट्र के नाम संबोधन देने के लिए किया। महात्मा बुद्ध की जयंती के मौके पर उन्होंने पाकिस्तान को कड़े लहजों में चेतावनी दी और इंदिरा-अटल की तरह ही दुनिया के सामने भारत की शांतिप्रिय छवि को मजबूती से पेश किया। हालांकि, सीजफायर के बावजूद भारतीय सेनाओं को फ्री हैंड दिया हुआ है। पाकिस्तान की नापाक हरकतों पर भारतीय सैनिकों को उससे ज्यादा इंटेंसिटी से जवाब देने का निर्देश मिला हुआ है।

धक-धक गर्ल

माधुरी दीक्षित...

आमिर ने हाथ पर थूका... कट बोलने पर भी किस करते रहे विनोद खन्ना, सिंगर सुरेश वाडकर ने शादी के लिए किया रिजेक्ट...

चाहे उन्हें मोहिनी कहिए या धक-धक गर्ल, निशा कहिए या चंद्रमुखी.. माधुरी दीक्षित ने हर किरदार को अपनी अदाओं से अमर बना दिया। आज वो 58 साल की हो गई हैं, लेकिन 90 के दशक का जिक्र हो और माधुरी का नाम न आए, ये हो ही नहीं सकता। उस दौर में उनकी हर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाती थी। एक्टिंग हो या डांस, रोमांस हो या एक्शन माधुरी हर रोल में जान डाल देती थीं। माधुरी की प्रोफेशनल लाइफ जितनी कामयाब रही। उतनी ही उनकी पर्सनल लाइफ भी अक्सर सुर्खियों में रही। उनका नाम संजय दत्त, अनिल कपूर से लेकर क्रिकेटर अजय जडेजा तक के साथ भी जोड़ा गया।

अनिल कपूर संग शुरू हुई अफेयर की चर्चा, एक्टर की पत्नी पहुंच गईं सेट

अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। राम लखन, परिंदा और बेटा जैसी फिल्मों में दोनों की केमिस्ट्री ने पर्दे पर कमाल दिखाया। इसी दौरान उनके अफेयर की खबरें भी मीडिया में आने लगीं, लेकिन जैसे ही इन खबरों के बारे में अनिल की वाइफ को पता चला तो वह सेट पर अपने बच्चों के साथ पहुंच गईं। कहा जाता है जब माधुरी ने अनिल को अपने परिवार के साथ समय बिताते हुए देखा तो उन्होंने फैसला किया कि अब वह कभी भी उनके साथ काम नहीं करेंगी। हालांकि, फिर कई साल बाद दोनों पुकार में साथ नजर आए थे। इसके बाद दोनों ने 2019 की टोटल धमाल में भी काम किया था।

सुभाष घई ने साइन करवाया था नो प्रेग्नेंसी क्लॉज

माधुरी का नाम संजय दत्त के साथ भी जुड़ा। साल 1991 में रिलीज हुई फिल्म साजन की शूटिंग के दौरान संजय दत्त और माधुरी दीक्षित की नजदीकियां बढ़ने लगीं। फिल्म में रोमांस करते-करते दोनों एक-दूसरे के करीब आ गए और एक-दूसरे को दिल दे बैठे। फिल्म रिलीज हुई और यह बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई। इस हिट जोड़ी को फिर से 1993 में फिल्म खलनायक के लिए लिया गया। हालांकि, फिल्म में माधुरी की जोड़ी असल में जैकी श्रॉफ के साथ थी, लेकिन फिल्म में वह ज्यादातर समय संजय दत्त के साथ ही नजर आईं। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान माधुरी को नो प्रेग्नेंसी क्लॉज भी साइन करना पड़ा। दरअसल, फिल्म खलनायक में सुभाष घई माधुरी के साथ काम कर रहे थे । इसी दौरान उन्हें लगा कि अगर उनकी फिल्म के बीच में ही माधुरी ने शादी कर ली या फिर वो प्रेग्नेंट हो गईं तो उनकी फिल्म बीच में ही रुक जाएगी। यही सोचकर सुभाष घई ने माधुरी से नो प्रेग्नेंसी क्लॉज साइन करवाया। इसके मुताबिक इस फिल्म के शूट के दौरान अगर माधुरी प्रेग्नेंट होती हैं तो उन्हें भारी जुर्माना भरना पड़ेगा। किसी हीरोइन से इस तरह का कॉन्ट्रैक्ट साइन करवाने वाले सुभाष घई पहले डायरेक्टर थे।

क्रिकेटर अजय जडेजा के साथ थी प्यार की चर्चा

एक्टर्स के साथ ही नहीं बल्कि माधुरी का नाम क्रिकेटर अजय जडेजा के साथ भी जोड़ा गया था। अजय की माधुरी से पहली मुलाकात एक कॉमर्शियल फोटोशूट के दौरान हुई थी। इसके बाद से ही दोनों के बीच अफेयर की खबरें भी सामने आने लगी थीं, लेकिन इसी बीच 1999 में अजय का नाम मैच फिक्सिंग विवाद में आया। इसके चलते न सिर्फ उनका करियर प्रभावित हुआ बल्कि माधुरी के परिवार ने इस मामले को स्वीकार नहीं किया, जिससे उनका रिश्ता खत्म हो गया।

फिल्म देवदास के दौरान प्रेग्नेंट थीं माधुरी

माधुरी दीक्षित की फिल्म देवदास साल 2002 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को संजय लीला भंसाली ने डायरेक्ट किया था। इसमें माधुरी, ऐश्वर्या राय बच्चन, शाहरुख खान और जैकी श्रॉफ नजर आए थे। कहा जाता है कि इस फिल्म के दौरान माधुरी प्रेग्रेंट थीं। फिल्म का गाना हमपे ये किसने हरा रंग डाला भी माधुरी ने प्रेग्नेंसी के दौरान शूट किया था। इस फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान माधुरी डॉ. नेने के साथ पहुंची थीं, जो अब उनके पति भी हैं।

सिंगर सुरेश वाडकर ने ठुकराया था शादी का प्रस्ताव

माधुरी के पिता शंकर दीक्षित कम उम्र में ही उनकी शादी करवाना चाहते थे। इस सिलसिले में उन्होंने कई लड़के देखे। इनमें ही नामी सिंगर सुरेश वाडकर भी शामिल थे। माधुरी के पिता को सुरेश पसंद आए तो उन्होंने शादी के लिए बात आगे बढ़ाई। जब माधुरी की तस्वीर सुरेश को भेजी गई तो उन्होंने ये कहकर माधुरी से शादी करने से इनकार कर दिया कि लड़की बहुत दुबली-पतली है। हालांकि सुरेश माधुरी से 11 साल बड़े थे।

आमिर खान ने माधुरी के हाथ पर थूका, हॉकी लेकर मारने दौड़ीं

आमिर खान हमेशा से ही सेट पर मस्ती-मजाक के लिए मशहूर रहे हैं। एक बार उन्होंने कहा कि वह लोगों का हाथ देखकर उनका भविष्य बताने में माहिर हैं। जब यह बात माधुरी दीक्षित को पता चली, तो वे तुरंत आमिर के पास पहुंच गईं। उस समय दोनों फिल्म दिल की शूटिंग कर रहे थे। माधुरी ने मजाक में अपना हाथ आगे बढ़ाते हुए कहा कि आमिर उनका हाथ देखकर भविष्य बताएं। तभी आमिर ने शरारत में उनके हाथ पर थूक दिया। यह देखकर माधुरी नाराज हो गईं और मजाक ही मजाक में हॉकी उठाकर आमिर के पीछे दौड़ पड़ीं।

3 साल की उम्र में सीखा डांस, स्थानीय अखबार में हुई थी खूब तारीफ

बचपन से ही माधुरी पढ़ाई में बहुत अच्छी थीं, लेकिन जितना लगाव उन्हें पढ़ाई से था, उतना ही प्रेम उन्हें डांस से भी था। इसी कारण जब उन्होंने मात्र तीन साल की उम्र में डांस सीखने की इच्छा जताई, तो उनके पिता ने उन्हें कथक सीखने के लिए उनका एडमिशन करा दिया। माधुरी की मेहनत और लगन रंग लाई और सिर्फ आठ साल की उम्र में उन्होंने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अपनी पहली स्टेज परफॉर्मेंस दी। अगले ही दिन एक स्थानीय अखबार में उनकी तस्वीर के साथ एक प्रशंसा भरा लेख छपा, जिसमें लिखा गया था कि इस नन्ही बच्ची ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इतना ही नहीं, एक साल बाद उन्हें कथक में स्कॉलरशिप भी मिल गई।

परिवार नहीं चाहता था फिल्मों में आएं माधुरी

माधुरी हमेशा से पढ़ाई में काफी अच्छी थीं। उन्होंने बड़ा होकर डॉक्टर बनने का सपना देखा था, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। जब माधुरी स्कूल में पढ़ रही थीं, तभी राजश्री प्रोडक्शन के लोग उनके घर फिल्म अबोध का ऑफर लेकर आए। पहले तो उनके परिवार ने साफ मना कर दिया और कहा कि माधुरी फिल्मों में काम नहीं करेंगी, लेकिन प्रोडक्शन हाउस के लोगों ने जैसे-तैसे उनके परिवार को ऑफिस बुलाकर समझाया और आखिरकार वे माधुरी को फिल्मों में काम करने की इजाजत देने के लिए तैयार हो गए। बस, यहीं से शुरू हुआ माधुरी का फिल्मी सफर।

अबोध से किया डेब्यू, पहली ही फिल्म पिट गई

12वीं कक्षा के बाद मिली छुट्टियों के दौरान माधुरी ने अपनी पहली फिल्म अबोध की शूटिंग की। कथक की वर्षों की ट्रेनिंग ने उनके हाव-भाव और एक्सप्रेशन्स को इतना निखार दिया था कि उन्हें अभिनय में ज्यादा कठिनाई नहीं हुई। यह कहना मुश्किल था कि उनकी ये डेब्यू फिल्म है, लेकिन यह फिल्म कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई और फ्लॉप हो गई। हालांकि माधुरी की एक्टिंग की काफी तारीफ हुई। इतना ही नहीं, उन्हें आगे फिल्मों के ऑफर भी मिलने लगे।

एक साथ 5 फिल्में फ्लॉप, फिर दयावान से मिली पहचान

माधुरी को फिल्मों के ऑफर तो लगातार मिलते रहे। अबोध के बाद उन्होंने स्वाति, मानव हत्या, हिफाजत, उत्तर दक्षिण में काम किया, लेकिन यह सभी फिल्में फ्लॉप हो गईं। फिर आया साल 1988, इस दौरान वह फिल्म दयावान में नजर आईं। इसमें उनके साथ विनोद खन्ना थे, जो उनसे 21 साल बड़े थे। फिल्म में बेहद बोल्ड सीन थे। इसके चलते यह फिल्म पहले से ही सुर्खियों में थी। जब फिल्म रिलीज हुई तो यह माधुरी के करियर की पहली हिट फिल्म भी बनी।

फिल्म में किसिंग सीन ने मचाया तहलका, कट बोलने के बाद भी किस करते रहे विनोद खन्ना

दरअसल, फिल्म दयावान में माधुरी ने विनोद खन्ना की पत्नी का रोल निभाया था। फिल्म में दोनों के बीच कई इंटीमेट सीन थे। इसमें एक लंबा लिपलॉक भी था। ये सीन शूट करते समय एक्टर इतना बेकाबू हो गए कि जब डायरेक्टर ने कट बोला तब भी वह एक्ट्रेस को किस करते रहे और यहां तक कि उनके होंठ काट दिए थे। इसके बाद माधुरी रोने लगीं तो विनोद खन्ना को उनके पास आकर माफी मांगनी पड़ी।

ऐसा भी कहा जाता है कि माधुरी दीक्षित ने उस सीन को फिल्म से हटाने की रिक्वेस्ट डायरेक्टर फिरोज खान से की थी, लेकिन उन्होंने यह कहकर बात टाल दी कि इसके लिए उन्हें एक करोड़ रुपए दिए गए हैं।

एक इंटरव्यू में माधुरी ने कहा था, 'मुझे नहीं पता था कि फिल्म में कोई इंटीमेट सीन भी है। अब जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो लगता है कि मुझे उस किसिंग सीन के लिए मना कर देना चाहिए था। शायद उस वक्त मैं डरी हुई थी, लेकिन जब आप इंडस्ट्री में नए होते हैं, तो यह नहीं समझ पाते कि आप किसी सीन के लिए ना भी कह सकते हैं।'

तेजाब ने दिलाया स्टारडम, सिनेमाघरों में लोग लुटाते थे सिक्के

साल 1988 में माधुरी दीक्षित की फिल्म तेजाब रिलीज हुई थी, जो एक सुपरहिट साबित हुई। इस फिल्म ने माधुरी को बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार कर दिया। खासकर फिल्म का गाना एक दो तीन इतना पॉपुलर हुआ कि जब भी यह गाना सिनेमाघरों में चलता, दर्शक खुशी से झूमने लगते और स्क्रीन पर सिक्के फेंकते थे। रंजीत 90 के दशक के पॉपुलर विलेन थे। उस दौर में उनकी निगेटिव छवि इतनी मजबूत थी कि लोग वाकई में उनसे डरते थे। इसी वजह से जब फिल्म 'प्रेम प्रतिज्ञा' की शूटिंग के दौरान माधुरी दीक्षित को उनके साथ सीन करना था, तो वह घबरा गईं और सेट पर ही रोने लगीं।

RNI NO. RAJHIN/2013/52026
POSTAL REG NO. TONK/49/2022-24
दैनिक बढ़ता राजस्थान

भारत-पाकिस्तान सीजफायर पर 5 दिन बाद अमेरिकी राष्ट्रपति का यू-टर्न

पहले कहा था युद्धविराम कराया, अब बोले- मैंने सिर्फ मदद की

बढ़ता राजस्थान

दोहा (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 5 दिन बाद भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने के अपने बयान से पलट गए हैं। उन्होंने गुरुवार को कहा कि मैंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता नहीं कराई, लेकिन मैंने मदद की है।

ट्रम्प ने कहा, 'मैं ये नहीं कहता कि ये मैंने किया, लेकिन ये पक्का है कि पिछले हफ्ते भारत-पाकिस्तान के बीच जो हुआ, मैंने उसे सेटल करने में मदद की। भारत-पाकिस्तान के बीच और भी भयावह हमले हो सकते थे। दोनों देशों ने अचानक मिसाइल दागनी शुरू कर दी, लेकिन हमने सब सेटल कर दिया। ट्रम्प ने 10 मई को दोनों देशों के बीच मध्यस्थता का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था, मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों को समझदारी दिखाने के लिए बधाई।

ट्रम्प का 15 मई को कतर में दिया बयान-

मुझे उम्मीद है कि मैं यहां से बाहर नहीं निकलता और दो दिन बाद पता चलता कि मामला सुलझा नहीं है, लेकिन मामला सुलझ गया। मैंने दोनों से व्यापार को लेकर बात की। मैंने कहा कि युद्ध के बजाय व्यापार करें। पाकिस्तान बहुत खुश था, भारत बहुत खुश था। मुझे लगता है कि वे सही रास्ते पर हैं।

उन्होंने कहा, वे (भारत-पाकिस्तान) बीते 1000 साल से लड़ रहे हैं। मैंने कहा कि मैं समझौता करा सकता हूं। और मैंने समझौता करा दिया। मैंने कहा कि मुझे इसे निपटाने दो। चलो, उन सभी को एक साथ लाते हैं। आप एक हजार सालों से लड़ रहे हैं और कितना लड़ते रहेंगे। मैं समझौते को लेकर आश्वस्त नहीं था। ये बहुत मुश्किल था। वे लंबे समय से लड़ रहे थे। यह वास्तव में नियंत्रण से बाहर होने जा रहा था।

राजस्थान में अब आधार कार्ड से भी फ्री इलाज मिलेगा

सरकारी हॉस्पिटलों में मरीजों को मिलेगी राहत, अब तक जन आधार कार्ड है जरूरी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान के सरकारी हॉस्पिटलों में अब जन आधार कार्ड नहीं होने पर भी फ्री इलाज का लाभ मिलेगा। आरजीएचएस, मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (मां योजना) समेत अन्य योजना का फायदा मिल सकेगा। केवल आधार कार्ड होने पर भी मरीज को ओपीडी, आईपीडी की सेवाएं मिल सकेगी। इसके लिए इंटीग्रेटेड हेल्थ मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर आने वाले दिनों में आधार नंबर के जरिए वेरिफिकेशन की सुविधा शुरू होगी। अभी आईएचएमएस पोर्टल पर केवल जन आधार से ही वेरिफिकेशन करके व्यक्ति की पहचान होती है। अगर किसी व्यक्ति का जन आधार नहीं बना होता है तो उसे सरकारी हॉस्पिटल में इन सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाता है।

केंद्र सरकार से की थी मांग

आईएचएमएस पोर्टल पर केवल मरीज की पहचान करने के लिए जन आधार से ही वेरिफिकेशन की सुविधा है। कुछ समय पहले हेल्थ डिपार्टमेंट ने इसे लेकर केन्द्र सरकार और यूआईडीएआई को पत्र लिखकर आधार से वेरिफिकेशन की सुविधा शुरू करने की मांग की थी। इसके बाद पिछले दिनों यूआईडीएआई ने एक आदेश जारी करके चिकित्सा शिक्षा विभाग को आधार नंबर के जरिए व्यक्ति के वेरिफिकेशन की सुविधा प्रदान की थी।

शुभांशु शुक्ला 8 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाएंगे

पहले 29 मई को एक्सिओम मिशन 4 लॉन्च होना था; आईएसएस जाने वाले पहले भारतीय बनेंगे

नई दिल्ली। इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन 4 के तहत अब 8 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) जाएंगे। यह मिशन पहले 29 मई को होना था लेकिन अब लॉन्च शेड्यूल में बदलाव हुआ है। नाशा ने ट्वीटर पर बताया- स्पेस स्टेशन की फ्लाइट शेड्यूल के रिव्यू के बाद कई मिशन के लॉन्च तारीखों में बदलाव हुआ है। एक्सिओम मिशन 4 फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से 8 जून शाम 6:41 बजे (भारतीय समयानुसार) लॉन्च होगा। एक्सिओम मिशन 4 में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। नासा और इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है।

500 करोड़ के बांके बिहारी कॉरिडोर को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी

पैसा मंदिर के खजाने से लिया जाएगा

मथुरा। बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर बनाने को लेकर रास्ता साफ हो गया है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने कॉरिडोर बनाने की मंजूरी दे दी। अब 5 एकड़ में भव्य कॉरिडोर बनाया जाएगा।

कोर्ट ने यूपी सरकार को मंदिर के 500 करोड़ रुपए से कॉरिडोर के लिए मंदिर के पास 5 एकड़ जमीन अधिगृहीत करने की इजाजत दी है। साथ ही शर्त लगाई कि अधिगृहीत भूमि देवता के नाम पर पंजीकृत होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को भी संशोधित किया। हाईकोर्ट ने मंदिर के आसपास की भूमि को सरकारी धन का उपयोग करके खरीदने पर रोक लगा दी थी। बांके बिहारी कॉरिडोर को लेकर हाईकोर्ट के आदेश के बाद सुप्रीम कोर्ट में ईश्वर चंद्र शर्मा ने याचिका दाखिल की थी। इसमें दो मुद्दे रखे गए थे। पहला- रिसीवर को लेकर और दूसरा- कॉरिडोर निर्माण को लेकर। इन दोनों मुद्दों पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश जारी किया। बांके बिहारी कॉरिडोर बनाने के लिए प्रदेश सरकार मंदिर के खजाने की राशि से कॉरिडोर के लिए जमीन खरीदना चाहती थी।

दुनिया ने देखा आकाश-ब्रह्मोस का क्या मतलब : उपराष्ट्रपति धनखड़

कहा : अब दुनिया ने उस ताकत को पहचाना, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कूटनीतिक लड़ाई भी लड़ी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ गुरुवार को पूर्व उप राष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत की स्मृति में बनी लाइब्रेरी का उद्घाटन करने जयपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा- भारत ने इस बार सिर्फ लड़ाई नहीं लड़ी है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक बहुत बड़ी कूटनीतिक लड़ाई भी लड़ी है। इसे जीता भी है। जल समझौते को लेकर दुनिया को बता दिया गया कि इस पर कोई पुनर्विचार नहीं होगा। जब तक हालात सामान्य नहीं होंगे। इतनी बड़ी कार्रवाई न तो सोची गई थी। अर्थव्यवस्था में भी दुनिया भारत का लोहा मान रही है। आज हम दुनिया की चौथी महाशक्ति है। जल्द ही तीसरी महाशक्ति बनने जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री को जब लगा भारत की अस्मिता को ललकारा गया है। उन्होंने बिहार की धरती से दुनिया को संदेश दिया और उस संदेश पर पूरी तरह खरे उतरे। दुनिया ने देखा आकाश का क्या मतलब है, ब्रह्मोस का क्या मतलब है। अब दुनिया ने उस ताकत को पहचाना है।

उन्होंने कहा- जब भैरोंसिंह शेखावत उपराष्ट्रपति थे। तब उन्होंने सभी संसद सदस्यों को इस बात के लिए बाधित किया था कि वह अपनी संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करें। उनका परिचय किसी पद से नहीं हो सकता। मुझे लगता है शायद बहुत कम लोगों को यह पता होगा कि भैरोंसिंह शेखावत विधानसभा के साथ राज्यसभा के सदस्य भी रहे थे। वह भी राजस्थान से नहीं बल्कि, मध्यप्रदेश से राज्यसभा सदस्य थे।

धनखड़ ने कहा- जब मैं अपने जीवन में अनिश्चय की स्थिति में था। तब माननीय भैरोंसिंह जी ने मुझे झुंझुनूं से चुनाव लड़ने के लिए कहा था। जब मैं हताश हो गया था कि शायद मंत्रिपरिषद में मेरा नाम नहीं आएगा।

तब भी उन्होंने मुझे बहुत बड़ी ताकत दी थी। उसके बाद कोई ऐसा साल नहीं गया, जब मैं उनके दर्शन करने नहीं गया हूं। मैं हर साल, हर महीने उनके पास जाता और कुछ ना कुछ सीख कर आता था। सबसे बड़ी सीख उनकी पुस्तकों में थी।

शेखावत का कोई दुश्मन नहीं था

उन्होंने कहा- भैरोंसिंह शेखावत के अलावा शायद ही कोई व्यक्ति भारत में ऐसा होगा, जिसका लोगों से इतना ज्यादा मिलना जुलना लगा रहता था। उसके बावजूद वह हर व्यक्ति से बिल्कुल सटीक बात करते थे। भैरोंसिंह शेखावत राजनीति के अजातशत्रु थे। दुनिया के किसी देश में प्रदेश में उनका कोई दुश्मन नहीं मिलेगा। उन्होंने राजनीति में एक बात को परिभाषित किया था की राजनीति में कोई दुश्मन नहीं होता है। आज हर दिल के नेतृत्व को यह सीखने की जरूरत है।

प्रतिपक्ष के लिए उनका दिल पसीजता था

5 साल तक राजस्थान की विधानसभा में वह मुख्यमंत्री और मैं प्रतिपक्ष का विधायक था। तब भी उनका दिल प्रतिपक्ष के लिए पसीजता था। तब प्रतिपक्ष के हर सदस्यों को यह अनुभव था कि मुख्यमंत्री हमारा गार्जन है। हम कोई भी बात कहेंगे तो उसका निर्णय सकारात्मक तरीके से होगा, तब सभी को यह विश्वास था।

समय से पहले आ गई थी उनके पास तकनीक

जगदीप धनखड़ ने कहा- यहां बैठे राजेंद्र राठौड़ भी इस बात के साक्षी हैं। कब किस अखबार में क्या छपा, किसके बारे में क्या छपा। उनके पास इस बारे में भी बहुत बड़ा खजाना था। उस समय कोई तकनीकी युग नहीं था। लेकिन उनकी कार्यशैली ऐसी थी कि मानव तकनीक उनके पास समय से पहले ही आ गई हो।

डोटासरा बोले- विधानसभा स्पीकर फाइल को घूमा रहे

कंवरलाल मीणा पर नहीं हो रहा फैसला, राहुल गांधी की सदस्यता 24 घंटे में गई थी

बढ़ता राजस्थान

सीकर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने विधानसभा स्पीकर पर निशाना साधा है। डोटासरा ने कहा कि अंता के विधायक कंवरलाल मीणा की सदस्यता समाप्त करने की फाइल को जानबूझकर लटकाया जा रहा है। डोटासरा ने कहा- मीणा को 24 घंटे के अंदर बर्खास्त कर उनकी विधायकी समाप्त करनी चाहिए थी, लेकिन विधानसभा स्पीकर फाइल को घुमा रहे हैं। एक महीना बीत गया, लेकिन कोई फैसला नहीं हुआ। पीसीसी चीफ ने राहुल गांधी का उदाहरण देते हुए भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा- राहुल गांधी की सदस्यता संसद ने 24 घंटे में निरस्त कर 15 दिन में उनका मकान छीन लिया, लेकिन यहां एक महीने से फाइल लटकाई जा रही है। भाजपा के दोहरे मापदंड सामने आ रहे हैं।

डोटासरा ने मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह के मामले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए गए विवादित बयान के लिए विजय शाह को तुरंत गिरफ्तार कर बर्खास्त किया जाए। एमपी हाईकोर्ट ने रात में कोर्ट खोलकर मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

गवर्नर-प्रेसिडेंट के लिए डेडलाइन बनाने पर मुर्मू के 14 सवाल, पूछा

संविधान में ऐसी व्यवस्था नहीं, फिर सुप्रीम कोर्ट कैसे दे सकता है फैसला

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रेसिडेंट और गवर्नर के लिए डेडलाइन तय करने पर सवाल उठाए हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने पूछा कि संविधान में इस तरह की कोई व्यवस्था ही नहीं है, तो सुप्रीम कोर्ट कैसे राष्ट्रपति-राज्यपाल के लिए बिलों पर मंजूरी की समयसीमा तय करने का फैसला दे सकता है।

मुर्मू ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से 14 सवाल पूछे हैं। मुर्मू ने राष्ट्रपति और राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समय-सीमा तय करने जैसी बातों पर स्पष्टीकरण मांगा है। ये मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर से राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। इसी

फैसले में कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सामने आया था।

बिल पर फैसला लेना होगा: सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अनुच्छेद 201 कहता है कि जब विधानसभा किसी बिल को पास कर दे। उसे राज्यपाल के पास भेजा जाए और राज्यपाल उसे राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दे।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस

दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही

कलर एवं ब्लैक मुद्रण | किफायती मुद्रण लागत

Printing Press
- Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021

Office
- Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
- 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795

Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

मोदी ने डरकर जातीय जनगणना का ऐलान किया : राहुल गांधी

बिहार में 7 घंटे रहे राहुल गांधी, बिना परमिशन छात्रावास पहुंचे

बढ़ता राजस्थान

दरभंगा, पटना (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गुरुवार को बिहार में 7 घंटे रहे। दरभंगा में प्रशासन की परमिशन के बिना छात्रावास पहुंचे और 15 मिनट छात्रों को मंच से संबोधित किया। इसके बाद पटना में 400 सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ फुले मूवी देखी। मूवी देखने के बाद कहा, अच्छी थी, सभी को देखना चाहिए।

शाम 5.30 बजे राहुल पटना से दिल्ली के रवाना हो गए। इसके पहले उन्होंने दरभंगा में कहा कि, मोदी ने डरकर जातीय जनगणना करवाने का ऐलान किया है। लोकसभा में हमने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि आपको जाति जनगणना करानी पड़ेगी। संविधान को माथे से लगाना पड़ेगा। आपके दबाव से पीएम ने जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया। लेकिन वो लोकतंत्र, संविधान और जाति जनगणना के खिलाफ हैं। यह अडाणी-अंबानी की सरकार है। एयरपोर्ट पर राहुल गांधी ने मीडिया से बात की और कहा कि, मैं यहां कमजोर वर्गों - पिछड़े वर्ग, दलितों के छात्रों के साथ बातचीत करने आया था, लेकिन उन्होंने मुझे रोकने की कोशिश की और मुझे अनुमति नहीं दी। लेकिन हमारा काम हो गया। सभी को फुले फिल्म देखनी चाहिए, यह बहुत अच्छी है।

शो के 400 टिकट बुक, नेताओं की एंट्री नहीं

सिटी सेंटर के आईनोक्स मूवी थिएटर के ऑडिटोरियम- 1 में 2.20 बजे से 5.20 बजे तक के शो के लिए 400 टिकट बुक किए गए थे फुले मूवी के शो के लिए स्पेशल पास बांटे गए। इसमें राहुल गांधी की फोटो लगी थी और उन्हें सामाजिक न्याय का नायक बताया गया था। साथ ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम की फोटो भी थी। थिएटर में कांग्रेस के कुछ सीनियर लीडर्स के अलावा बाकी नेताओं को एंट्री नहीं दी गई।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं राजकीय महाविद्यालय के पास एन एच-12,बाईपास निवाई टोंक (राज.) से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*।
प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो.नं. 9414242258, 9214048888 टोंक कार्यालय मो.नं. 9414823448 प्रधान कार्यालय :185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर (राज.) फोन नं.0141-2796794,2796795,
E-Mail-badhatarajasthan@yahoo.com, *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर महानगर होगा)